तापमान
अधिकतम 42.2 डिग्री
न्यूनतम 21.0 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार 17 मई 2026

नियमों की अवहेलना करने पर स्टोन क्रेशर पर केस दर्ज

यमुनानगर। प्रदूषण बोर्ड के नियमों की अवहेलना करने के आरोप में पुलिस ने रकबा बेलगढ़ में कमलेश स्टोन क्रेशर के खिलाफ केस दर्ज किया है। स्टोन क्रेशर पर अवैध माइनिंग करने का भी आरोप है। जानकारी के अनुसार एचसीपीसीबी के रीजनल अधिकारी प्रदीप सिंह ने बताया कि उसे काफी दिनों से सूचना मिल रही थी कि गांव बेलगढ़ स्थित स्टोन क्रेशरों पर नियमों की अनदेखी की जा रही है। सूचना मिलते ही उसने गांव बेलगढ़ स्थित कमलेश स्टोन क्रेशर पर छापेमारी कर गड़बडियां पकड़ी गई।

खबर संक्षेप

बाइक सवार युवकों ने हाथ से छीना मोबाइल

यमुनानगर। शहर के एसएनवी सरकारी स्कूल के पास बाइक सवार युवकों ने व्यक्ति के हाथ से मोबाइल छीन लिया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। उत्तर प्रदेश के जिला अमरोहा निवासी प्रमोद कुमार ने थाने में दी शिकायत में बताया कि वह तेजली गांव के नजदीक रहता है। 15 मई को दोपहर तीन बजे वह शहर में किसी काम से आया था। जब वह एसएनवी सरकारी स्कूल के पास पहुंचा तो वहां पर बाइक पर सवार होकर दो युवक आए। आरोपियों ने उसके हाथ से मोबाइल झपट लिया और मौके से फरार हो गए।

घर में घुसकर लोहे की रॉड व लाठी डंडों से हमला

यमुनानगर। गांव ब्राह्मण माजरा में पुरानी रंजिश के चलते आधा दर्जन लोगों द्वारा घर में घुसकर हमला करने का मामला सामने आया है। शिकायतकर्ता अरविंद ने बूड़िया थाना पुलिस को बताया कि कुछ दिन पहले गांव के ज्ञानचंद और उसके बेटे रजनीश के साथ उसकी कहासुनी हुई थी, जिसके बाद आरोपी उससे रंजिश रखने लगे।आरोप है कि 15 मई दोपहर करीब साढ़े 12 बजे ज्ञानचंद, रजनीश, सुनील, भूषण, सुभाष उर्फ रिंकू और विशु उसके घर में घुस आए और लोहे की रॉड व लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस हमले में अरविंद और उसके परिवार की सदस्य वर्षा घायल हो गए। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए।

मॉर्निंग वॉक पर निकली लेडी लेक्चरर, 20 सेकेंड तक जूझती रहीं

जिंदल सिटी में अध्यापिका पर कुत्तों के झुंड का हमला

डॉग कैचर वैन पहुंची तो कॉलोनी में हुआ विवाद

जानकारी देती अध्यापिका डॉ. मिंटो भारद्वाज।

- *मुंह और गर्दन पर झपटे कुत्ते, बाल-बाल बचीं अध्यापिका*
- *आवारा कुत्तों के हमले से दहशत में कॉलोनीवासी*
- *कुत्तों के हमले के बाद सीएम विंडो पहुंची शिकायत*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

जिंदल सिटी में महिला अध्यापक पर कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया। लेडी लेक्चरर 20 सेकेंड तक कुत्तों से जूझती रहीं। कुत्ते उनके मुंह और गर्दन तक नोचने की कोशिश करते रहे, लेकिन अध्यापिक ने किसी तरह अपनी जान बचाई। घटना के बाद कॉलोनी के लोगों ने नगर परिषद की डॉग कैचर वैन बुलवाई, लेकिन यहां भी नया विवाद खड़ा हो गया। कुछ डॉग लवर्स ने कुत्तों को पकड़ने का विरोध शुरू कर दिया। उन्होंने वैन को आगे नहीं बढ़ने दिया। इसके बाद पुलिस को सूचना देकर बुलाया गया। कॉलोनी के लोगों ने मामले की शिकायत सीएम विंडो पर डाली है। आईटीबीपी के पूर्व अधिकारी सुभाष भारद्वाज की पत्नी और रत्नडेरा के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत अध्यापिक डॉ. मिंटो भारद्वाज ने बताया कि वे रोज की तरह मॉर्निंग वॉक के लिए घर से निकली थीं। घर से करीब 100 मीटर दूर पहुंची, तो अचानक कुत्तों के झुंड ने उन्हें घेर लिया। कुत्ते ने मुझे कई जगह काट चुके थे। फिर वे मेरे मुंह और गर्दन की तरफ आने लगे। एक कुत्ता गर्दन पर झपट रहा था और दूसरा मेरे मुंह तक पहुंच गया था। मुझे उसका जबड़ा साफ दिखाई दे रहा था। मैं लगातार खुद को छुड़ाने की कोशिश कर रहीं। वे लगातार मुंह और गर्दन पर अटैक करने की कोशिश कर रहे थे। फिर अचानक पता नहीं क्या हुआ, वे भाग गए। मैंने कई वीडियो देखे थे कि जब कुत्ते किसी के पीछे पड़ जाएं तो आसानी से नहीं छोड़ते। उन वीडियो में मैंने अटैक होने पर बचने की ट्रिक भी देखी थी। इस कारण कुत्ते उनकी गर्दन और मुंह तक नहीं पहुंच सके। डॉ. मिंटो ने बताया कि वह ब्रह्माकुमारी से जुड़ी हैं और मेडिटेशन करती हैं। मुझे लगता है कि ये भगवान का चमत्कार था। अब अकेले घर से बाहर निकलने में डर लगता है। कुछ दिन पहले एक बच्चे को खींचने की कोशिश तक की गई। बुजुर्ग महिला और घर में काम करने के लिए आने वाली महिलाओं को यहां कुत्ते काट चुके हैं।

कुरुक्षेत्र में लिव-इन पार्टनर ने की जहर देकर दुकानदार की हत्या

वारदात को अंजाम देकर बच्चों के साथ फरार हुई महिला

- बेटी ने लगाए हत्या के आरोप पुलिस जांच में जुटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

मोहन नगर में एक दुकानदार की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। स्वजन ने दुकानदार की लिव-इन पार्टनर पर जहर देकर हत्या करने का आरोप लगाया है। घटना के बाद से महिला अपने दोनों बच्चों समेत फरार है। पुलिस ने मृतक की बेटी की शिकायत पर हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान मोहन नगर निवासी 46 वर्षीय राम अवतार के रूप में हुई है, जिसकी अग्रसेन चौक के पास मनियारी की दुकान थी। बताया जा रहा है कि करीब एक साल पहले राम अवतार की पत्नी की मौत हो गई थी। इसके बाद वह दिल्ली निवासी महिला के संपर्क में आया। दोनों के बीच फोन पर बातचीत शुरू हुई और पिछले महीने 20 अप्रैल को महिला अपने एक बेटे और एक बेटी के साथ राम अवतार के घर आकर रहने लगी। राम अवतार की बेटी ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि उसके पिता ने खुद परिवार को कहा था कि आरोपित महिला अब उनके साथ ही रहेगी। शुरूआत में सब कुछ सामान्य रहा, लेकिन कुछ समय बाद आरोपित महिला ने घर में महंगे सामान की मांग शुरू कर दी। राम अवतार ने उसकी मांग पर नया फ्रिज, अलमारी, बेड सहित अन्य घरेलू सामान खरीदा। परिवार पहले से ही मकान और अन्य लोन के कर्ज में दबा हुआ था, इसके बावजूद खर्च लगातार बढ़ता गया। आरोप है कि महिला के कहने पर उसके बेटे का दाखिला भी शहर के एक निजी स्कूल में कराया गया। मृतक की बेटी के अनुसार, शुक्रवार रात करीब 11 बजे वह अपने भाई-बहनों के साथ नीचे कमरे में थी, जबकि उसके पिता आरोपित महिला व उसके दोनों बच्चे ऊपर कमरे में मौजूद थे। इसी दौरान ऊपर से पिता के चीखने की आवाज आई। जब वे ऊपर पहुंचे तो महिला ने उन्हें नीचे भेज दिया। कुछ देर बाद दोबारा ऊपर जाने पर राम अवतार लोहे की फोल्डिंग पर पड़े मिले। उनके सिर पर चोट के निशान थे और मुंह से सफेद झाग निकल रहे थे। स्वजन तुरंत उन्हें विभिन्न अस्पतालों में लेकर गए, लेकिन एलएनजेपी अस्पताल में चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद आरोपित महिला अपने दोनों बच्चों के साथ फरार हो गई। बेटी के बयान पर आरोपित महिला के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है।

बसताड़ा स्टेडियम के पास युवक का शव मिला, सिर के पीछे गहरी चोट के निशान

- मृतक के शरीर पर बने गोल्डी, लक्की, शिवा नाम के टैटू के आधार पर पहचान की की जा रही है कोशिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

जीटी रोड स्थित बसताड़ा खेल स्टेडियम के पास एक अज्ञात युवक की हत्या कर शव झाड़ियों में फेंकने का मामला सामने आया है। शनिवार सुबह शव मिलने की सूचना से इलाके में हड़कंप मच गया। राहगीरों की सूचना पर मधुबन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। एफएसएल टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पुलिस के अनुसार मृतक की उम्र करीब 24 वर्ष है। युवक के सिर के पीछे गहरी चोट का निशान मिला है। प्रारंभिक जांच में गोली मारकर हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि इसकी पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद होगी। शरीर पर अन्य चोटों के निशान भी मिले हैं। पुलिस ने शव को कल्पना चावला राजकीय मेडिकल कॉलेज के शवगृह में रखवा दिया है। युवक की पहचान नहीं होने के कारण पोस्टमार्टम फिलहाल नहीं कराया गया है। आसपास के जिलों और थानों में भी जानकारी भेजी गई है। युवक के शरीर पर चार टैटू बने हुए हैं। दाहिनी बाजू पर 'गोल्डी', हथेली पर 'लक्की', बाईं बाजू पर 'आदी' बना है।

नशा तस्कर को 20 साल की कैद और जुर्माना

पानीपत। असिस्टेंट सेशन जज-कम- फास्ट ट्रेक कोर्ट एनडीपीएस योगेश चौधरी ने मादक पदार्थ की तस्करी के आरोपी नरेंद्र पुत्र रामकिशन निवासी गांव मुआना जिला जींद को दोषी करार देते हुए 20 साल के कठोर कारावास की सजा दी है। वहीं, जज चौधरी की अदालत ने दोषी नरेंद्र पर डेढ़ लाख रुपए का जुर्माना भी किया है। जुर्माना नहीं देने पर नरेंद्र को एक साल का अतिरिक्त कर कारावास भोगना होगा। स्मरणीय है कि पानीपत पुलिस की सीआईए थ्री ने नरेंद्र को मादक पदार्थ की तस्करी के आरोप में 21 नवंबर सन 2019 को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने नरेंद्र के पास से डेढ़ किलो चरस बरामद की थी। वहीं नरेंद्र पर थाना माडल टाउन में 20 एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज करवाया गया था। इधर, सरकारी वकील कुलदीप ढुल की दलीलों के आधार पर जज योगेश चौधरी की अदालत ने दोषी नरेंद्र को समाज के लिए खतरा मानते हुए उसे बीस साल के कारावास की सजा दी है।

अनियंत्रित ट्रैक्टर से गिरे दिव्यांग युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

गांव रतनपुरा थर्मल पावर प्लांट के पास दिव्यांग युवक अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर से नीचे गिर गया। ट्रैक्टर का टायर चढ़ने से युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने आरोपी ट्रैक्टर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार गांव छोटा लापरा निवासी आरिफ ने बताया कि उसका ताऊ का लड़का 32 वर्षीय शारून बचपन से दिव्यांग था और पशुपालन का काम करता था। वह शुक्रवार शाम को गांव के ही युवक जब्बार के साथ ट्रैक्टर-ट्रॉली में थर्मल प्लांट की राख लेने के लिए गया था। गांव रतनपुरा के पास शारून अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर से नीचे गिर गया। जिसके बाद ट्रैक्टर का पहिया उसके ऊपर से गुजर गया। हादसे में शारून गंभीर रूप से घायल हो गया। लोगों ने उसे अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

नारायणगढ़ अस्पताल में 21.86 लाख का गबन मामला

सही बिलों पर हस्ताक्षर करवाकर पोर्टल पर बढ़ा देता था राशि

सीएम फ्लाइंग जांच में क्लर्क की चालाकी उजागर

- रेड के बाद अस्पताल के अधिकारी और कर्मचारी सहमे, संलिप्त लोगों को नौकरी जाने का डर सता रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| शहजादपुर

नारायणगढ़ के नागरिक अस्पताल में सीएम फ्लाइंग की रेड के बाद ज्यादातर अधिकारी व कर्मचारी सदमे में है। जांच के दौरान यहां उजागर 21.86 लाख के गबन मामले में अब हर अफसर व कर्मचारी सहमा हुआ है। खासकर जो इस गबन के मामले में संलिप्त है उन्हें अपनी नौकरी व भविष्य की चिंता सता रही है। जांच में एक के बाद एक खुलासे हुए है। पता चला है कि आरोपी सुभाष चंद ही अस्पताल के सभी वेतन व मेडिकल बिल तैयार करता था। वह डीडीओ के समक्ष सही बिलों की प्रिंट कॉपी पर हस्ताक्षर करवाता था लेकिन बाद में ई-सैलरी पोर्टल पर डिजिटल हस्ताक्षर के समय चालाकी से भत्तों की राशि बढ़ा देता था। इस तरह से ई-सैलरी पोर्टल के माध्यम से करीब 21.86 लाख रुपये के सरकारी धन के गबन हो गया। अस्पताल के एसएमओ डॉ. रूपिंद्र सिंह सैनी पर डीडीओ का चार्ज होने के कारण उनकी भूमिका भी जांच के घेरे में है। सीएम फ्लाइंग की जांच में सामने आया कि 11 मई को राशि 1,44,308 लाख रुपये खजाना से क्लेम करते समय तृतीया एसीपी के एरियर का गलत आदेश बनाकर राशि निकाला जाना पाया गया, जबकि तृतीया एसीपी का एरियर सुभाष चंद द्वारा पहले ही 19 अगस्त 2025 को क्लेम कर लिया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक उक्त 11,93,470 लाख रुपये में से सुभाष चंद द्वारा बिल बनाकर प्रिंट लेने के बाद बिलों की प्रतियों पर डीडीओ के हस्ताक्षर करवा कर कुल 3,91,134 लाख रुपये अतिरिक्त राशि क्लेम करना पाया गया। डीडीओ के समक्ष जो बिल बनाकर प्रिंट लेकर हस्ताक्षर के लिए प्रस्तुत किए गए, जिन बिलों पर डीडीओ के हस्ताक्षर हैं उन बिलों में अतिरिक्त क्लेम की गई राशि नहीं दर्शाई गई है, जबकि डीडीओ से सही बिलों पर हस्ताक्षर करवाने के बाद ई-सेलरी पोर्टल पर फेरबदल करके वित्त वर्ष 2023-24 से 2026-27 तक 8,02.336 लाख रुपये अतिरिक्त खजाना से डीडीओ के डिजिटल हस्ताक्षर के बाद क्लेम करना पाया गया जो 11,93,470 रुपये पाया गया। इस तरह से कुल 21.86,870 रुपये अतिरिक्त राशि अवैध वेतन के रूप में सरकारी खजाने से गबन किया गया। बता दें कि सीएम फ्लाइंग की टीम ने 12 मई को स्वास्थ्य केंद्र में दबिश देकर 94 लाख के गबन के मामले को उजागर किया था। मल्टी पर्पज हेल्थ वर्कर 74 हजार के मूल वेतन की जगह हर महीने 7.80 लाख रुपये वेतन डलवा रहा था। अधिकारियों संग मिलकर कर्मचारी ने 94 लाख रुपये का गबन कर दिया था ऐसे में नारायणगढ़ में भी इसी तरह से हुए गबन के मामले के तार इस मामले से जुड़ते दिख रहे हैं।

जेल में मोबाइल फेंकने का आरोपी गिरफ्तार

कुरुक्षेत्र। जेल में मोबाइल फेंकने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक चन्द्र मोहन के नेतृत्व में अपराध अन्वेषण शाखा-1 की टीम ने कार्रवाई करते हुए हरप्रीत उर्फ हैपी निवासी खेड़ी मारकंडा को गिरफ्तार किया है। थानेसर पुलिस को उप जेल अधीक्षक शिवेंद्र पाल सिंह ने शिकायत दी थी। शिकायत में बताया गया कि 24 अप्रैल 2025 को जिला जेल कुरुक्षेत्र में तलाशी के दौरान बंदी राजकुमार से बिना सिम का मोबाइल फोन बरामद हुआ था। इस मामले में पहले भी कार्रवाई करते हुए 15 अक्टूबर 2025 को आरोपी राजकुमार, 18 अक्टूबर को उमराव उर्फ अमर और 4 नवम्बर को अजय को गिरफ्तार किया जा चुका है। अब पुलिस ने मोबाइल जेल में फेंकने वाले मुख्य आरोपी हरप्रीत उर्फ हैपी को भी दबोच लिया है।अपराध अन्वेषण शाखा-1 की टीम में मुख्य सिपाही संदीप कुमार, अनिरुद्ध और सिपाही जय किशन शामिल रहे। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

वाहन चोरी के आरोप में दो युवक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

थाना व्यासपुर पुलिस टीम ने गांव कोटड़ा स्टेडियम के पास घूम रहे दो बाइक चोरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से चोरी की बाइक बरामद हुई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर उन्हें अदालत में पेश किया। जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार थाना प्रबंधक विनोद कुमार ने बताया कि उनकी टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि दो युवक चोरी की बाइक को लेकर गांव कोटडा स्टेडियम के पास घूम रहे हैं। इस सूचना के आधार पर मुख्य सिपाही सुनील कुमार के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने मौके पर जाकर नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू कर दी। कुछ देर बाद दो युवक बाइक पर आते दिखाई दिये। टीम ने उनको रोककर जांच की तो उनके पास से चोरी की बाइक बरामद हुई। पूछताछ में आरोपियों की पहचान गांव मुजाफत निवासी मनोज कुमार उर्फ काका व गांव मछरौली निवासी प्रवीण कुमार उर्फ चेतन के नाम से हुई। आरोपी ने यह बाइक 11 मई को गांव मुजाफत से चोरी की थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आरोपियों को कोर्ट में पेश कर न्यायिक के हिरासत में भेज दिया।

यमुनानगर। व्यासपुर पुलिस टीम द्वारा पकड़े गए आरोपी बाइक चोर।

22 लाख रुपये की धोखाधड़ी में काबू

अंबाला। सीआईए-1 की टीम ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने थाना बराड़ा में दर्ज 22 लाख रुपये की धोखाधड़ी के मामले में दूसरे मुख्य आरोपी रोहित को गिरफ्तार किया है। सीआईए प्रभारी निरीक्षक हरजिंद्र सिंह ने बताया कि लुधियाना के शिकायतकर्ता मेजर सिंह ने दिसंबर 2022 में शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप था कि वर्ष 2020 में यशविंद्र सिंह उर्फ यश और उसके साथियों ने पैसे दोगुना करने का झांसा देकर उनसे 22 लाख रुपये की ठगी की थी। ठगी के बाद आरोपियों ने न तो पैसे बढ़ाए और न ही मूल रकम वापस की। सीआईए-1 की टीम ने सक्रियता दिखाते हुए आरोपी रोहित को 15 मई को काबू किया। आरोपी से ठगी की गई राशि की बरामदगी और गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी जुटाने के लिए उसे रिमांड पर लिया गया है। एक आरोपी को पहले ही काबू किया जा चुका है।

शिक्षा समाचार

बीए में 400 छात्र ले सकेंगे एडमिशन

अंबाला। उच्चस्तर शिक्षा विभाग के निर्देशों पर राजकीय कॉलेजों में दाखिले की प्रक्रिया शुरू हो गई है। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ने विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए उपलब्ध सीटों का ब्योरा जारी कर दिया है। प्रशासन ने न केवल सीटों का निर्धारण किया है, बल्कि काउंसलिंग और छात्र मार्गदर्शन के लिए प्राध्यापकों की कमेटियां भी गठित कर दी हैं। कॉलेज की ओर से जारी सूची के अनुसार, सबसे अधिक सीटें बीए में रखी गई हैं। यहां कुल 400 छात्र दाखिला ले सकेंगे। वाणिज्य संकाय में भी भारी भीड़ उमड़ने की उम्मीद है, इसके लिए बीकॉम सामान्य श्रेणी में 240 सीटें आवंटित की गई हैं। तकनीकी शिक्षा की ओर रुझान रखने वाले युवाओं के लिए बीसीए में 160 सीटें उपलब्ध होंगी। कॉलेज प्रशासन ने नए आने वाले विद्यार्थियों की सुविधा के लिए विशेष मार्गदर्शन केंद्र स्थापित किए हैं। प्राध्यापकों को जिम्मेदारी सौंपी गई है कि वे छात्रों को उनकी रुचि के अनुसार सही विषय चुनने में मदद करें।

प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल करने पर अतिरिक्त उपायुक्त ने अफसरों को दी बधाई

समाधान शिविर की शिकायतों के निपटान में यमुनानगर अव्वल

सीएम विंडो पर आई नागरिकों की शिकायतों के समाधान में भी हुआ है सुधार

यमुनानगर। जिला सचिवालय में अधिकारियों की बैठक में समाधान शिविर में आई शिकायतों की समीक्षा करते एडीसी नवीन आहूजा। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

जिला सचिवालय में शनिवार को समाधान शिविर, जन संवाद, सीएम विंडो, सीपी ग्राम, आरटीएस व एसएमजीटी में प्राप्त शिकायतों के निपटान के लिए अधिकारियों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता अतिरिक्त उपायुक्त नवीन आहूजा ने की।

अतिरिक्त उपायुक्त नवीन आहूजा ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा आमजन की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर त्वरित समाधान के उद्देश्य से समाधान शिविरों की शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर की शिकायतों के निपटान में प्रदेश में जिला प्रथम स्थान पर है। इसके लिए सभी अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस स्थान को कायम रखना हम सब की जिम्मेवारी है। इसके अलावा सीएम विंडो पर आई शिकायतों के समाधान में भी सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों द्वारा शिविरों में प्राप्त हर शिकायत को गंभीरता से लिया जाए तथा समयबद्ध ढंग से उसका समाधान करवाना सुनिश्चित किया जाए। मौके पर उन्होंने अधिकारियों से समाधान प्रकोष्ठ में किन किन विभागों से संबंधित समस्याएं अधिक आ रही हैं, कितनी शिकायतें लंबित हैं व अन्य संबंधी विषयों से जुड़ी विस्तार से जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

अतिरिक्त उपायुक्त नवीन आहूजा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविर, जन संवाद, सीएम विंडो, एसएमजीटी में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की समस्या को प्राथमिकता से निपटाया जाए।

समाधान शिविर की सीएम करते हैं समीक्षा

अतिरिक्त उपायुक्त नवीन आहूजा ने कहा कि समाधान शिविर, जन संवाद, सीएम विंडो, एसएमजीटी को स्वयं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रिव्यू करते हैं। इसलिए सभी विभाग अपने अपने विभागों से संबंधित लोगों की समस्याएं शून्य कर लें। उन्होंने कहा कि नागरिकों की जरूरी और बुनियादी सुविधाएं त्वरित उपलब्ध करवाई जाएं और समस्याओं का तुरंत समाधान किया जाए। ताकि समस्याओं की संख्या में कमी आए। शिकायतों का निराकरण उचित और ठीक फार्मेट में करें ताकि शिकायत रि.ओपन न हो और फार्मेट को अपलोड करने से पहले ठीक से जांच कर लें। मौके पर जिला परिषद के सीईओ सुशील कुमार, जगाधरी के एसडीएम विश्वनाथ, व्यासपुर के एसडीएम जसपाल सिंह गिल, छछरौली के एसडीएम रोहित कुमार, रादौर के एसडीएम नरेन्द्र कुमार व नगराधीश पीयूष गुप्ता आदि मौजूद रहे।

योग शिविर में बंदियों ने किया योग का अभ्यास

यमुनानगर। अंतरराष्ट्रीय योग माह के उपलक्ष में महानिदेशक कारागार हरियाणा के निर्देशानुसार जिला जेल में चल रहे तीन दिवसीय योग शिविर का शनिवार को समापन हो गया। इस अवसर पर चैधरी देवी लाल आयुर्वेद कॉलेज एवं अस्पताल यमुनानगर से आहार जीवनशैली एवं योग विशेषज्ञ वैद्य जयंत नागर और स्वस्थवृत एवं योग विभाग के प्रशिक्षुओं ने बंदियों व कैदियों को यौगिक क्रियाएं करवाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जेल अधीक्षक सत्येंद्र कुमार ने की। जेल अधीक्षक सत्येंद्र कुमार ने बताया कि योग शिविर के समापन पर योग विशेषज्ञ जयंत नागर व चौधरी देवीलाल आयुर्वेद कालेज एवं अस्पताल के स्वस्थवृत एवं योग विभाग के योग प्रशिक्षुओं अंश मल्होत्रा, गगनदीप, चेतन, आदर्श व मोहम्मद उस्मान ने जेल बंदियों को सामान्य योग प्रोटोकाल, सुक्ष्म व्यायाम, सहज आसन, प्राणायाम व ध्यान का अभ्यास करवाया। मौके पर बंदियों ने यौगिक क्रियाओं में उत्साह से भाग लिया। जेल अधीक्षक सत्येन्द्र कुमार ने शिविर में भाग ले रहे सभी बन्दियों को स्वस्थ व मानसिक तनाव से दूर रहने तथा शारिरिक व मानसिक तन्दरूस्ती बनाए रखने के उद्देश्य से प्रतिदिन योगा करने के लिए आहवान किया। उन्होंने बंदियों को जेल परिसर में अपने आसपास साफ सफाई का विशेष ध्यान रखने के लिए प्रेरित किया। जेल अधीक्षक सत्येंद्र कुमार ने कहा कि हम सभी को आज अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में आयोजित योगि शिविर में सामुहिक शपथ लेनी चाहिए कि हम अपने जीवन में सदैव योगासन करेंगे। ताकि स्वस्थ समाज के निर्माण में हम अपना सहयोग दे सकें। इस अवसर पर जेल उपाधीक्षक विवेक सांगवान, वरूण कुमार व भूपेन्द्र सिहं आदि जेल अधिकारी मौजूद रहे।

निःशुल्क योग शिविरों का आयोजन करेगी पतंजलि योग समिति: कांबोज

रादौर। पतंजलि योग समिति, भारत स्वाभिमान ट्रस्ट, युवा भारत, किसान सेवा समिति, पतंजलि सोशल मीडिया व पतंजलि परिवार संगठनों के सदस्यों की रादौर के आर्य समाज मंदिर में जिलास्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता पतंजलि योग समिति रादौर के तहसील प्रभारी अमित कांबोज ने की। मौके पर विशिष्ठ अतिथि के रुप में पतंजलि सोशल मीडिया राज्य प्रभारी महिंद्र कांथला मौजूद रहे। बैठक का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार द्वारा किया गया। पतंजलि योग समिति रादौर के तहसील प्रभारी अमित कांबोज ने बताया कि बैठक में संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा की गई। योग आयुर्वेद, स्वदेशी, सनातन के प्रचार प्रसार, संगठन विस्तार और निःशुल्क योग शिविरों के आयोजन पर मुख्य जोर देने बारे विचार किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से योग कक्षाओं को बढ़ाने, ग्रामीण क्षेत्रों तक योग पहुंचाने, जिला स्तरीय योग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने बारे निर्णय लिया गया। बैठक में प्रखंड स्तर पर सात दिवसीय निःशुल्क योग शिविर आयोजित करने और बंद पड़ी योग कक्षाओं को शुरू करने, घर घर योग पहुंचाने का निर्णय लिया गया है। तहसील व जिला स्तर पर कार्य कार्यकारिणी का गठन कर युवाओं, महिलाओं एवं बुजुर्गों को नियमित योगाभ्यास से जोड़ने का संकल्प लिया गया। साथ ही योग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर शुरू करने का फैसला किया गया है। अन्य योग की गतिविधियों के साथ साथ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों पर जोर दिया गया। इस अवसर पर जगमाल रतनगढ़, मास्टर राजबल गोलनी, सुरेंद्र वर्मा, डॉ. विनोद शर्मा, मंगत राम बटला, यशवंत राणा, शीशपाल मेहता, सतपाल खुराना, गुलाब सिंह नाचरौन, राजेश रादौरी व संजय गुप्ता आदि मौजूद रहे।

विकास कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखना अधिकारियों की जिम्मेदारी

■ जिला सचिवालय में जिला परिषद व ब्लॉक समितियों के प्रतिनिधियों की बैठक में उपायुक्त ने दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

यमुनानगर। लघु सचिवालय में जिला परिषद व ब्लॉक समितियों के प्रतिनिधियों की बैठक में दिशा निर्देश देतीं उपायुक्त प्रीति। फोटो : हरिभूमि

जिला प्रशासन द्वारा लघु सचिवालय में जिला परिषद के सदस्यों व ब्लाक समिति के प्रतिनिधियों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त प्रीति ने की। मौके पर जिला परिषद के चेयरमैन रमेश चंद ठसका भी मौजूद रहे। बैठक में उपायुक्त ने जिले में चल रहे विकास कार्यों एवं स्वच्छता अभियान की समीक्षा की।

उपायुक्त प्रीति ने कहा कि हर जनप्रतिनिधि का दायित्व बनता है कि वह केवल आंकड़ों तक सीमित न रहें। बल्कि धरातल पर कार्य करें। उन्होंने कहा कि साफ. सफाई हमारे जीवन से जुड़ा मुद्दा है। इसलिए पीएचसी, सीएचसी और स्कूलों के आसपास साफ सफाई अवश्य रखें। उन्होंने कहा कि आपसी समन्वय एवं तालमेल के साथ कार्य करें। उपायुक्त प्रीति ने कहा कि बरसात के दिनों में अधिक वर्षा के कारण बाढ़ की स्थिति बन जाती है। इसलिए बरसात के मौसम से पहले सभी नालों, ड्रेनों आदि की सफाई अवश्य करवा लें। ताकि बरसात के पानी का बिखराव न हों। पूरी ईमानदारी व संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए जनता को लाभविन्त करने का लक्ष्य रखें। उन्होंने कहा कि गांवों में साफ. सफाई व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जाए तथा नियमित रूप से स्वच्छता अभियान चलाकर लोगों को जागरूक किया जाए। उपायुक्त ने जनप्रतिनिधियों को आहवान किया कि अमृत सरोवरों की नियमित जांच की जाए और जहां खामियां मिलती है तो उन्हें वह संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर दूर कराएं।

फर्जी तरीके से रजिस्ट्री करवाकर हड़प ली जमीन, दंपत्ति पर केस

नारायणगढ़। लखनौरा गांव में रेखा रानी की कृषि भूमि को फर्जी तरीके से रजिस्ट्री करवाकर दंपती ने हड़प ली। आरोपियों ने महिला के पति की बीमारी व खराब मानसिक स्थिति का नाजायज लाभ उठाकर लाखों रुपये की फर्जी अदायगी दिखाकर रजिस्ट्री अपने नाम करवा ली। पति की मृत्यु के बाद जब आरोपियों ने जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की व जान से मारने की धमकी दी तो मामले का खुलासा हुआ। पुलिस ने पीड़िता रेखा रानी की शिकायत पर दंपती नरेश कुमार व गीता देवी पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। लखनौरा की रेखा ने बताया कि उनके पति स्व. गुरमीत सिंह के पास गांव में ही खेती की जमीन थी। गुरमीत काफी समय से शारीरिक व मानसिक रूप से बीमार चल रहे थे। इसी का फायदा उठाकर गांव के ही नरेश कुमार ने उनसे दोस्ताना संबंध बना लिए। नरेश ने साजिश के तहत 14 जून 2023 को गुरमीत सिंह से 4 कनाल 6 मरले की जमीन की रजिस्ट्री अपने नाम करवा ली। रजिस्ट्री के दस्तावेजों में दिखाया गया है कि नरेश ने गुरमीत सिंह को दो चेक के जरिए कुल 13,50 लाख रुपये की बिक्री राशि अदा की है। हालांकि, रेखा रानी का आरोप है कि उनके पति का केवल हरियाणा ग्रामीण बैंक में खाता था। उस खाते में कभी कोई पैसा नहीं आया। आरोपियों ने बिना किसी वास्तविक लेनदेन के कागजों में फर्जी चेक नंबर दिखाकर रजिस्ट्री को अंजाम दिया।

देश प्रेम का जज्बा राष्ट्र को बनता है महान: रमाकांत

रादौर। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ द्वारा सामाजिक सद्भाव गतिविधि के तहत रादौर में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में क्षेत्र के विभिन्न समाज के लोगों ने भाग लिया। मुख्य वक्ता के रुप में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के अंबाला के विभाग संघचालक रमाकांत ने भाग लिया। वहीं, विशिष्ठ अतिथि के रुप में विभाग संयोजक तरूण डोगरा मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता जिला संयोजक विनीश राणा व खंड कार्यवाह विरेंद्र सैनी ने की। मुख्य वक्ता रमाकांत ने कहा कि जातियों की अपनी परिकल्पना है। जातियां हमारे देश का प्राण हैं। इन्हें समाप्त नहीं किया जा सकता। लेकिन आज हमें जाति भेद से ऊपर उठकर देश प्रेम के लिए कार्य करने की जरूरत है। हमारी जाति हमारा स्वाभिमान और दूसरे की जाति का सम्मान हमें इस विचारधारा पर चलने की जरूरत है। राष्ट्र प्रेम सर्वोपरि हो इसी भाव को हमें जगाना है। तभी एक राष्ट्र को महान बनाया जा सकता है। लोगों में देश प्रेम का जज्बा ही किसी भी राष्ट्र को महान बनाता है। इजरायल इसका उदाहरण है। वहां के लोग अपने राष्ट्र को सर्वोपरि मानकर ही कार्य करते हैं। आज हमारा देश सबसे अधिक तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था है। ऐसे में विरोधी ताकते देश की इस गति को रोकने के लिए कई प्रकार के षडयंत्र रच रही हैं। जातियों के नाम पर देश के लोगों के दिलों में जहर घोलना भी उसी षडयंत्र का हिस्सा है। हमें इस षडयंत्र को सफल होने से रोकना होगा। जितने भी महापुरूष व संत हुए हैं उन्होंने हमेशा एक रहने की शिक्षा दी। उन्होंने किसी जाति विशेष के लिए कार्य न कर मानवता व देशहित के लिए कार्य किया। आज नशा, कम होते संस्कार, पर्यावरण व धर्म परिवर्तन सभी जातियों की सांझी समस्या हैं। हमें इन विकारो से लड़कर देश को विकसित बनाने में अपना योगदान देना है। इस अवसर पर डॉ. बलदेव सैनी, विरेंद्र गर्ग, धनपत सैनी, नरेंद्र जगूडी, मंगतराम बठला, नरेंद्र फतेहगढ़, संजय फतेहगढ़, डॉ.बिमल गर्ग, सतविंद्र रिंकू, विश्वेंद्र शर्मा, जसपाल पोटली, बालकिशन रोहिला, अशोक आहुजा, प्रवीन अग्रवाल व सतनाम सिंह और एनके शर्मा आदि मौजूद रहे।

सीएम ने पूर्व मेयर मदन चौहान के घर पहुंच उनके भाई के निधन पर जताया शोक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मेयर मदन चौहान के निवास स्थान पर पहुंचकर उनके बड़े भाई बलबीर चौहान के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने शोकाकुल परिवार को इस दुख की घड़ी में दुख सहने की शक्ति देने के लिए प्रभु से कामना की और उन्हें ढांढस बंधाया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दिवंगत आत्मा बलबीर चौहान को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। इस दौरान उन्होंने परिवार के सदस्यों से बातचीत कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। जानकारी के अनुसार बलबीर चौहान के निधन के बाद से क्षेत्र में शोक की लहर है। लगातार सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा क्षेत्र के गणमान्य लोग मदन चौहान के निवास पर पहुंचकर परिवार को सांत्वना दे रहे हैं। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी रही। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश सपरा, विधायक घनश्याम दास अरोड़ा, पूर्व मंत्री कंवरपाल, पवन बिट्टू, नितिन कपूर, मनीष मलिक, अमित चौहान और रोचक गर्ग आदि भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने दिवंगत बलबीर चौहान को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। इसके बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रादौर क्षेत्र के गांव मंधार में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ सदस्य मान सिंह आर्य के निवास स्थान पर पहुंचे। जहां पर उन्होंने मान सिंह आर्य के भाई एवं भाजपा के वरिष्ठ सदस्य कल्याण सिंह कांबोज के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया।

संगठन की मजबूती के लिए काम करें सभी कार्यकर्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

हरियाणा के पूर्व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री कंवरपाल ने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के लिए कार्यकर्ताओं को आहवान किया। पूर्व कृषि मंत्री कंवरपाल ने उक्त बात पार्टी के जिला कार्यालय में आयोजित भाजपा जगाधरी ग्रामीण मंडल की बैठक में कही। पूर्व कृषि मंत्री कंवरपाल ने कहा कि कार्यकर्ता किसी भी संगठन व पार्टी की रीढ़ होते हैं। संगठन को मजबूत करने के लिए सभी कार्यकर्ता मिलकर काम करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों के साथ साथ आमजन को भी इस कार्यक्रम से जोड़े। ताकि कार्यक्रम का सकारात्मक संदेश सभी तक पहुंच सकें। इसके लिए कार्यकर्ताओं को जागरूक कर उनका हौसला बढ़ाना और मन की बात कार्यक्रम को बूथ स्तर इसकी तक पहुंचाना है। बैठक में सभी शक्ति केंद्र प्रमुखों की मन की बात कार्यक्रम को लेकर विशेष ड्यूटियां लगाई गईं। मौके पर जिला महामंत्री प्रवीण खदरी, मंडल प्रभारी जिला उपाध्यक्ष रामपाल सिंह नंबरदार, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष अंकुश मेहर माजरा, भाजपा नेता ओमपाल मन की बात कार्यक्रम के जगाधरी विधानसभा प्रभारी, भाजपा जिला मीडिया प्रमुख कपिल मनीष गर्ग, संजीव फेरूवाला, अभिषेक शर्मा व पार्षद जयंत स्वामी आदि मौजूद रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में युवक, उसकी मां पर केस

यमुनानगर। छछरौली थाना क्षेत्र के एक गांव में युवक ने बहला फुसला कर नाबालिग लड़की के साथ तीन साल तक दुष्कर्म किया। आरोप है कि युवक की मां ने भी आरोपी का साथ दिया। पुलिस ने पीड़िता के पिता की शिकायत पर आरोपी युवक व उसकी मां के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। छछरौली थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने महिला पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि उनके गांव का ही आसिफ उसकी नाबालिग लड़की को बहला फुसला कर 20 फरवरी 2023 से गलत काम करता आ रहा है। व्यक्ति ने बताया कि 26 अप्रैल को भी आरोपी रात के 10 बजे उसकी नाबालिग लड़की को बहला फुसलाकर दुष्कर्म किया। जब उन्होंने लड़की घर से गायब मिली तो उन्होंने उसकी तलाश की। मगर उसका कुछ भी पता नहीं चला। रात के दो बजे उसकी लड़की घर पहुंची। उन्होंने जब अपनी लड़की को इस बारे पूछा तो उसने घटना के बारे में बताया। उसने जब आरोपी की मां प्रवीण से बात की तो उसने भी आरोपी का साथ दिया। उसने आरोपियों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी आसिफ के खिलाफ पोक्सो एक्ट व प्रवीण के खिलाफ अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

पांसरा में 36.04 लाख की लागत से बनेगी आधुनिक धर्मशाला: बहमनी

यमुनानगर। नगर निगम यमुनानगर द्वारा विकास कार्यों को लगातार गति दी जा रही है। इसी कड़ी में नगर निगम की मेयर सुमन बहमनी ने वार्ड 12 के गांव पांसरा में 36.04 लाख रुपये की लागत से भव्य धर्मशाला के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। मौके पर निगमायुक्त महाबीर प्रसाद व हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव आईएएस योगेश कुमार भी मौजूद रहे। मेयर सुमन बहमनी ने कहा कि नगर निगम द्वारा हर वार्ड में जरूरत के अनुसार विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। गांवों और शहरी क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए करोड़ों रुपये के प्रोजेक्ट धरातल पर उतारे गए हैं। उन्होंने कहा कि वार्ड 12 में 10 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्य किए गए हैं। मेयर सुमन बहमनी ने कहा कि पांसरा में बनने वाली यह धर्मशाला सामाजिक व धार्मिक कार्यक्रमों के लिए ग्रामीणों को बेहतर सुविधा प्रदान करेगी। इससे गांव के लोगों को शादी, सामाजिक बैठकें व अन्य आयोजनों के लिए उपयुक्त स्थान उपलब्ध हो सकेगा। मेयर ने आमजन से अपने गांव को सबसे स्वच्छ गांव बनाने की अपील की। मौके पर नगर निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद ने कहा कि नगर निगम द्वारा पांसरा गांव में एक करोड़ 22 लाख रुपये के काम हो चुके हैं और एक करोड़ 25 लाख रुपये के कार्य प्रगति पर हैं। जबकि 37 लाख के कार्य अभी शुरू किए गए हैं।

सड़क सुरक्षा समिति व सुरक्षित स्कूल वाहन पालिसी की बैठक में उपायुक्त ने दिए निर्देश

सड़कों को दुर्घटना रहित बनाने के लिए अधिकारी उठाएं कदम

हाईवे पर बने अवैध कटों को तुरंत बंद करने के अधिकारियों को दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

यमुनानगर। लघु सचिवालय में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में दिशा निर्देश देतीं उपायुक्त प्रीति। फोटो : हरिभूमि

जिला सड़क सुरक्षा एवं सुरक्षित वाहन पालिसी की बैठक का आयोजन लघु सचिवालय में किया गया। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त प्रीति ने की। उन्होंने बैठक में सभी विभागों के अधिकारियों को जिला को सड़क दुर्घटना रहित बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाने के निर्देश दिए।

उपायुक्त प्रीति ने कहा कि जिला यातायात एवं सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य जो सुझाव दें उन पर अधिकारी शीघ्रता से संज्ञान लें। उन्होंने कहा कि हमें सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की सहायता अवश्य करनी चाहिए। उपायुक्त प्रीति ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सड़क सुरक्षा बैठक केवल औपचारिक चर्चा तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। बल्कि इसका उद्देश्य धरातल पर सुधार लाकर हादसों में कमी सुनिश्चित करना है। उन्होंने हाईवे पर बने सभी अवैध कटों को तुरंत बंद करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अवैध कट सड़क दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बन रहे हैं और इन पर तुरंत कार्रवाई जरूरी है। उपायुक्त प्रीति ने कहा कि कई स्थानों पर रेहड़ियों और अस्थायी दुकानें सड़क किनारे लगने से वाहन चालकों को परेशानी होती है तथा दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने लोक निर्माण विभाग व नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि उनके अधिकार क्षेत्र में टी.प्वाइंट्स और मुख्य मार्गों पर लगे अतिक्रमण व सामान बेचने वाली रेहड़ियों को जल्द से जल्द हटवाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि यह अभियान यातायात प्रभारी के साथ मिलकर निरंतर चलाया जाए। ताकि सड़कों पर जाम की स्थिति व दुर्घटना से बचा जा सके। मौके पर पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने सभी वाहन चालकों का आह्वान किया कि वे वाहन चलाते समय विशेष सावधानियां बरतें और वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग अवश्य करें। उन्होंने जिला के सभी स्कूल प्रबंधन, प्रिंसीपल व अभिभावक यह सुनिश्चित करें कि कोई भी नाबालिग बच्चा वाहन न चलाएं और स्कूल, कोचिंग सैंटर संचालक व प्रबंधन यह सुनिश्चित करें कि उनके संस्थान में कोई भी नाबालिग बच्चा वाहन लेकर न आएं। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त नवीन आहूजा, जगाधरी के एसडीएम विश्वनाथ, एसडीएम रादौर नरेन्द्र कुमार, छछरौली के एसडीएम रोहित कुमार, नगराधीश पीयूष गुप्ता व जिला परिवहन अधिकारी हैरतजीत कौर आदि मौजूद थे।

खबर संक्षेप

ताइक्वांडो में जागृति एवं आर्यन मंढान ने जीता स्वर्ण

कुरुक्षेत्र। डी.एस.बी. इंटरनेशनल स्कूल निवारसी के विद्यार्थियों ने एक बार फिर खेल जगत में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। कुरुक्षेत्र में आयोजित फाल्कन कप ओपन नेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप में विद्यालय के होनहार विद्यार्थियों जागृति (कक्षा-8) एवं आर्यन मंडान (कक्षा- 8) ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त किया। इस राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में देशभर से आए खिलाड़ियों के बीच डी.एस.बी. इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास का परिचय देते हुए जीत हासिल की।

कुलपति धीमान साइकिल पर अपने कार्यालय पहुंचे

कुरुक्षेत्र। प्रधानमंत्री नरेंद्र की अपील के बाद श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान सेक्टर-3 स्थित अपने आवास से साइकिल पर विश्वविद्यालय पहुंचे। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों और कर्मचारियों से भी वर्तमान परिस्थितियों में यथासंभव बिना वाहन या कम ईंधन वाले साधनों का उपयोग करने की अपील की। कुलपति प्रो. धीमान ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा बचत और स्वास्थ्य के लिए साइकिल चलाना एक सकारात्मक कदम है।

राजकीय विद्यालय उदारसी का परीक्षा परिणाम सराहनीय

कुरुक्षेत्र। राजकीय उच्च विद्यालय उदारसी की दसवीं कक्षा का परिणाम सराहनीय रहा। विद्यालय में कुल 27 बच्चों ने परीक्षा दी। इनमें कोई भी विद्यार्थी फेल नही हुआ। महक पुत्री सुनील ने 481 अंक प्राप्त करके विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। मणिका पुत्री जीता राम ने 476 अंक प्राप्त कर दूसरा व नवदीप ने 438 अंक प्राप्त करके तीसरा स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के परीक्षा परिणाम से सभी बच्चे, अभिभावक व एसएमसी सदस्य प्रसन्न है।

शूटिंग प्रतियोगिता में निर्मल कुमारी ने 10 मीटर एयर राईफल में जीता स्वर्ण पदक

कुरुक्षेत्र। कर्ण शूटिंग एकेडमी के निदेशक एवं कोच जगबीर सिंह ने कहा कि 24वीं कुमार सुरेन्द्र मेमोरियल शूटिंग प्रतियोगिता 2026 का आयोजन 28 अप्रैल 2026 से 15 मई 2026 तक नई दिल्ली एवं भोपाल (मध्य प्रदेश) में हुआ। कर्ण शूटिंग एकेडमी के निदेशक एवं कोच जगबीर सिंह ने कहा कि इस प्रतियोगिता में केतन मलिक ने 10 मीटर एयर पिस्टल महिला जूनियर वर्ग प्रतिस्पर्धा में कांस्य पदक एवं 50 मीटर पिस्टल महिला सीनियर वर्ग में स्वर्ण पदक एवं 50 मीटर पिस्टल महिला जूनियर वर्ग में स्वर्ण पदक व रणविजय ने 10 मीटर एयर राईफल सब-यूथ पुरुष वर्ग में कांस्य पदक तथा निर्मल कुमारी ने 10 मीटर एयर राईफल सुपर मास्टर महिला वर्ग में स्वर्ण पदक अर्जित किया।

दिनभर हुए महाआरती और कीर्तन, जगह-जगह लगे भंडारे

शनि जयंती पर मंदिरों में उमड़ी भीड़ स्नान-तर्पण के लिए पहुंचे श्रद्धालु

राजकुमार वालिया ▸▸| थानेसर

भगवान शनि देव की जयंती शनिवार को बड़े ही धूमधाम से मनाई गई। शनि मंदिरों में सुबह से अपने इष्ट भगवान के दर्शन और पूजा अर्चना के लिए भक्तों की भीड़ लगी रही। शनि जयंती पर मंदिरों में महिलाओं को तेल अभिषेक करने दिया गया। मंदिरों में तो सुबह ब्रह्म मुहूर्त से ही शनि प्रतिमा के अभिषेक का सिलसिला शुरू हो गया। भक्तों ने अपने सांसारिक कष्टों से निवारण के लिए शनि महाराज की प्रतिमा को तेल से स्नान करवाया। मंदिरों में दिनभर भंडारे हुए और महाआरती व कीर्तन का आयोजन किया गया। पंडित सुरेश मिश्रा ने कहा कि शनिदेव महाराज का आज के दिन जन्म हुआ था। उन्होंने बताया कि माता छाया ने 30 वर्षों तक भगवान शंकर की कड़ी तपस्या करके शनिदेव को प्राप्त किया था। उन्होंने बताया कि शनिदेव 30 वर्ष में पूरी पृथ्वी का एक बार पूरा चक्कर लगा पाते हैं। शनिदेव महाराज मनुष्य के पूर्व जन्म के कर्मों के आधार पर वर्तमान में फल देते हैं। शनिदेव के प्रकोप से बचने के लिए वर्तमान में अच्छे कर्म करें और पिछले बुरे कर्मों का प्रेषित करें। ताकि शनिदेव प्रसन्न हो सकें। कुरुक्षेत्र में शनि अमावस्या या शनैश्चरी अमावस्या का विशेष धार्मिक महत्व है। इस दिन ब्रह्मसरोवर और सन्निहित सरोवर में स्नान और तर्पण करने से पितरों को मुक्ति मिलती है। मान्यता है कि यहां स्नान करने और दान करने से शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या के दुष्प्रभाव कम होते है। साथ ही, श्रीशनिधाम मंदिर और स्थाणु तीर्थ जैसे प्रमुख मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना और दान-पुण्य का आयोजन किया जाता है। शनैश्चरी अमावस्या पर स्थाणु तीर्थ स्थित श्री शनिशिला मंदिर, राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित श्रीशनिधाम मंदिर, लाडवा रोड स्थित श्री शनि मंदिर, सन्निहित सरोवर स्थित श्री दुखभंजन शनि देव मंदिर सहित कई मंदिरों में श्रद्धालुओं ने शनिदेव का पूजन किया। श्रद्धालुओं ने काले तिल, तेल, उड़द व काले कपड़े का दान किया। मंदिरों में आयोजित भंडारों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित श्री शनिधाम मंदिर के संचालक प्यारे लाल ने कहा कि शनिदेव अपने भक्तों की हर मनोकामना पूर्ण करते हैं। शनिदेव न्याय प्रिय देव हैं, जो मनुष्य किसी का अहित नहीं करता शनिदेव उसे सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं।

थानेसर। ब्रह्मसरोवर पर स्नान के लिए पहुंचे श्रद्धालु।

भद्रकाली शक्तिपीठ में किया 108 लीटर तेलाभिषेक

कुरुक्षेत्र। ज्येष्ठ अमावस्या के शुभ अवसर पर और शनिवार के विशेष दिन पर भद्रकाली शक्तिपीठ में आयोजित श्री शनि जयंती महोत्सव श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम बन गया। न्याय के देवता श्रीशनि महाराज के प्रति अटूट श्रद्धा के साथ भक्तों ने इस विशेष दिवस पर भागीदारी की और पीठाध्यक्ष प० सतपाल शर्मा के सान्निध्य में विविध धार्मिक अनुष्ठानों में सम्मिलित होकर शनि देव की कृपा प्राप्त की। कार्यक्रम की शुरूआत प्रातः 10 बजे मंगल छींटा स्नान से हुई, जिसमें गंगाजल और गुलाब जल का उपयोग किया गया। तत्पश्चात विशेष शनि पूजन और नवग्रह पूजन विधिवत रूप से शुरू हुआ। हवन मंडप में उपस्थित श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से ह्लॐ शं शनैश्चराय नमः, ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः, इत्यादिह्न मंत्रो का 108 बार जाप किया और तिल के तेल व नवग्रह पत्रिका व लकड़ी की आहुति अर्पित की। शनिदेव के 108 नामों का जाप भी किया गया और नवग्रह यंत्र की पूजा की गई। पीठाध्यक्ष ने नीले पुष्प ऑर्किड की माला शानिशिला पर अर्पित की और काली छतरी की छांव में शनि आरती का सभी भक्तों ने आनंद लिया। कार्यक्रम में शनि चालीसा का संगीतमय पाठ भी किया गया, जिससे संपूर्ण वातावरण ऊर्जा और श्रद्धा से परिपूर्ण हो उठा। अंत में सभी सेवादारों ने पीठाध्यक्ष सतपाल शर्मा, अध्यक्ष नरेंद्र वालिया, उपाध्यक्ष डॉ एम के मौदगिल के नेतृत्व में 108 लीटर सरसों के तेल से तेलाभिषेक किया गया।

आदिबद्री में भाजपा का दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग

सीएम ने किया शुभारंभ

कुरुक्षेत्र। मंचासीन मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व अन्य।

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कुरुक्षेत्र

भारतीय जनता पार्टी के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान-2026 के अंतर्गत कुरुक्षेत्र जिले का दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग 16 व 17 मई को आदिबद्री में आयोजित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सर्वप्रथम सरस्वती उद्गम स्थल श्री आदिबद्री नारायण मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेश की तरक्की की कामना की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इसके उपरांत प्रशिक्षण का शुभारम्भ किया। उन्होंने इस मौके पर हरियाणा के विकास कार्यों की प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हमारी सरकार ने पिछले साढ़े 11 वर्षों में प्रदेश के सर्वांगीण विकास और हर वर्ग के हितों की सुरक्षा के लिए अनेक कदम उठाए हैं। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र के भाजपा जिला अध्यक्ष तेजिन्द्र सिंह गोल्डी, पूर्व राज्य मंत्री सुभाष सुधा, पूर्व मंत्री कंवर पाल, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती बंतो कटारिया, पूर्व चेयरपर्सन रोजी मलिक आनंद, सरस्वती हेरिटेज बोर्ड के वाइस चेयरमैन धूमन सिंह किरमिच, कुरुक्षेत्र भाजपा जिला प्रभारी दीपक शर्मा, पशुधन विकास बोर्ड चेयरमैन धर्मवीर मिजार्पुर, चेयरमैन धर्मवीर डागर, वरिष्ठ भाजपा नेता सुभाष कलसाना, जय भगवान शर्मा,जिला परिषद चेयरमैन कवलजीत कौर, प्रदेश सचिव राहुल राणा, कुरूक्षेत्र जिला मीडिया प्रभारी ललित माटा , जिला उपाध्यक्ष अनु मलयान, देवी दयाल शर्मा, परमजीत कश्यप, रेणु खुग्गर, देश राज शर्मा, आई टी प्रमुख दीपक शर्मा, सोमपाल राणा,मुकेश गौड़, रविन्द्र भाटीया, पवन सैनी आदि मौजूद रहे।

सांसद की यशस्वी छात्रवृत्ति योजना का दायरा बढ़ा

अब नन्हें विद्यार्थियों को भी मिलेगा लाभः सुभाष कलसाना

हरिभूमि न्यूज ▸▸| शाहबाद

सांसद नवीन जिन्दल द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में चलाई जा रही नवीन जिन्दल यशस्वी छात्रवृत्ति योजना को और अधिक व्यापक एवं जनहितकारी स्वरूप दिया गया है। पिछले दो वर्षों से उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों के लिए संचालित यह योजना अब विशेष परिस्थितियों में प्राइमरी से लेकर बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को भी लाभान्वित करेगी। योजना के विस्तार को लेकर नवीन जिन्दल फाउंडेशन की टीम ने शाहबाद में समाजसेवी सुभाष कलसाना के कार्यालय पहुंचकर कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य लोगों को विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान बताया गया कि सांसद नवीन जिन्दल ने समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों के बच्चों की शिक्षा को निरंतर बनाए रखने के उद्देश्य से इस योजना में विशेष प्रावधान किए हैं। नई व्यवस्था के तहत सिंगल मदर्स एवं विधवा महिलाओं के बच्चों की स्कूल फीस का 50 प्रतिशत खर्च तथा अनाथ बच्चों की स्कूल फीस का 100 प्रतिशत खर्च नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा वहन किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य आर्थिक अभाव के कारण किसी भी बच्चे की शिक्षा बाधित न होने देना है। सांसद कार्यालय प्रभारी धर्मवीर सिंह ने कहा कि नवीन जिन्दल यशस्वी छात्रवृत्ति योजना के माध्यम से पिछले दो वर्षों में अनेक विद्यार्थियों इस अवसर पर सुपार्सव जैन मंडल अध्यक्ष, दीपक आनंद पार्षद, ईशु सचदेवा पार्षद, सोहन सरपंच, बलकार सैनी, बलदेव राज चावला पूर्व प्रधान नगर पालिका, मंडल अध्यक्ष रवि राम, विकास अधिकारी भूषण मंगला, अजैब सिंह जिन्दल हाउस कुरुक्षेत्र, डॉ. राज कुमार, सतीश सरपंच, कामित सचदेवा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

शाहबाद। नवीन जिंदल यशस्वी छात्रवृत्ति योजना के बारे में बताते सुभाष कलसाना।

रोटी बैंक के 8 वर्ष पूर्ण : भोजन शिक्षा और सेवा के संकल्प को मिला नया विस्तार

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कुरुक्षेत्र

रोटी बैंक के 8 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आज सेवा, सहयोग और मानवता का प्रेरणादाई उदाहरण देखने को मिला। वर्षगांठ के अवसर पर दिन का आरम्भ सर्वप्रथम आयुर्वेदिक अस्पताल में उपचाराधीन एवं उनके परिजनों को दूध रस और चाय का वितरण कर किया गया। इसके पश्चात नागरिक अस्पताल और ईंट भट्ठे पर भोजन परोसा गया जिसमें छोले चावल, रोटी पूरी और हलवा विशेष रहा। इस अवसर पर एक विशेष सामाजिक पहल के अंतर्गत डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल की 10+2 की एक छात्रा की निर्बाध शिक्षा हेतु रुपए 26320 का आर्थिक सहयोग किया गया क्योंकि छात्रा का परिवार दीर्घकाल से आर्थिक संकट में होने के कारण छात्रा का विद्यालय शुल्क देने में असमर्थ था। रोटी बैंक द्वारा यह सहयोग मानवता और शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का प्रतीक था। कार्यक्रम में शाहाबाद के पुलिस उपाधीक्षक सिद्धार्थ मुख्यातिथि के रूप में पधारे हुए थे। रोटी बैंक कार्यकारिणी द्वारा उनका भरपूर स्वागत किया गया। पुलिस उपाधीक्षक सिद्धार्थ के कर कमलों से डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल की प्राचार्या मोनिका भाटिया को छात्रा की शिक्षा हेतु रुपए 26320 की राशि का चेक सौंपा गया।

गुरुकुल के विद्यार्थियों ने क्वेस्ट टू कॉन्कर क्विज चैंपियनशिप में पाया तीसरा स्थान

कुरुक्षेत्र। गुरुकुल कुरुक्षेत्र के विद्यार्थियों ने 13 मई 2026 को चंडीगढ़ में आयोजित प्रतिष्ठित अंतर्राज्यीय क्विज प्रतियोगिता क्वेस्ट टू कॉन्कर में तृतीय स्थान प्राप्त कर संस्थान का नाम गौरवान्वित किया। इस प्रतियोगिता में हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब और चंडीगढ़ से लगभग 120 टीमों ने भाग लिया। कक्षा दसवीं की प्रतिभाशाली टीम — रजनीश राज, आदित्य कुमार, तेजस गुप्ता एवं मिहिर कुमार ने प्रतियोगिता के दौरान अपनी उत्कृष्ट बुद्धिमत्ता, आत्मविश्वास और बेहतरीन टीमवर्क का परिचय दिया। विभिन्न राज्यों की उत्कृष्ट टीमों के बीच शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यार्थियों ने प्रतिष्ठित तृतीय स्थान प्राप्त किया और संस्थान को गौरवान्वित किया। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए टीम को प्रमाण पत्रों के साथ 10,000 रुपये की नकद राशि देकर सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों की इस सफलता को पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व और सम्मान का विषय माना जा रहा है। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने भी विद्यार्थियों को उनकी शानदार उपलब्धि पर बधाई दी तथा युवा प्रतिभाओं को निखारने में विद्यालय प्रशासन के प्रयासों की सराहना की।

गीता निकेतन आवासीय विद्यालय की टीम प्रथम

श्रीकृष्ण संग्रहालय के सभागार में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कुरुक्षेत्र

अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस-2026 के उपलक्ष्य में श्रीकृष्ण संग्रहालय में आज संग्रहालय के सभागार में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के डॉ. कुलदीप आर्य रहे। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस-2026 का विषय ह्लविभाजित विश्व को एकजुट करते संग्रहालयह्न अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय परिषद द्वारा निर्धारित किया गया है। इसी विषय को केंद्र में रखते हुए विद्यार्थियों में सांस्कृतिक विरासत, संवाद, सामाजिक समरसता एवं संग्रहालयों के महत्व के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से इस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का संचालन श्रीकृष्ण संग्रहालय के प्रभारी बलवान सिंह द्वारा पावरपॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से किया गया। प्रश्नोत्तरी के दौरान भारतीय चित्रकला शैलियों, लोक कलाओं, महाभारत कथानकों, कुरुक्षेत्र के तीर्थों एवं सांस्कृतिक विरासत से संबंधित दृश्य भी प्रदर्शित किए गए। प्रतियोगिता में गीता निकेतन आवासीय विद्यालय की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विद्यालय की टीम में कृतिका, अर्नव गर्ग एवं वृंदा गर्ग शामिल रहे। द्वितीय स्थान राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ने प्राप्त किया। विद्यालय की टीम में लिजा, चार्वी सिंह एवं प्रांजलि शामिल रहीं। तृतीय स्थान जगत गुरु ब्रह्मानंद विद्या निकेतन ने प्राप्त किया।

थानेसर। जिला कांग्रेस कार्यालय में कार्यकर्ताओं से वातार्लाप करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष मेवा सिंह।

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस 20 मई को करेगी रोष प्रदर्शन : मेवा सिंह

थानेसर। पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस के लगातार बढ़ते दामों को लेकर कांग्रेस पार्टी ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष मेवा सिंह ने कांग्रेस कार्यालय में कार्यकतार्ओं से मुलाकात के दौरान कहा कि बढ़ती महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ कर रख दी है। महंगाई से समाज का हर वर्ग प्रभावित हो रहा है तथा लोगों के लिए घर का बजट संभालना मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल, डीजल और गैस सिलेंडर की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी से किसान, मजदूर, कर्मचारी और मध्यम वर्ग सबसे ज्यादा परेशान हैं। आम जनता को राहत देने में सरकार पूरी तरह विफल साबित हो रही है। उन्होंने कहा देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी का असर अब आम जनता की जेब पर पड़ने लगा है। ईंधन महंगा होने से रोजमर्रा की जरूरतों का सामान भी महंगा होने की आशंका बढ़ गई है। ट्रांसपोर्ट खर्च बढ़ने से सब्जियां, फल, दूध, राशन और अन्य खाद्य पदार्थों की कीमतों में इजाफा हो सकता है। मेवा सिंह ने बताया कि कांग्रेस पार्टी 20 मई को जिला पंचायत भवन पर एकत्रित होकर जिला उपायुक्त को ज्ञापन सौंपेगी तथा बढ़ती महंगाई के विरोध में रोष प्रदर्शन करेगी।

राजकीय स्कूल ठोल के उत्तीर्ण विद्यार्थियों को किया सम्मानित

कुरुक्षेत्र। जगदीश चंद्र राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल ठोल में 10वी और 12वीं कक्षा का उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम आने पर विद्यालय में विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। मुख्यातिथि के तौर पर ठोल सरपंच रूमा देवी मौजूद रही। विद्यालय का 10वी व 12वीं कक्षा का रिजल्ट शत प्रतिशत रहा। कक्षा 10वीं में 66 विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया जिसमें से 17 बच्चों की मेरिट रही। फर्स्ट डिवीजन में 59 व सेकिंड डिवीजन में 7 विद्यार्थी रहे। कक्षा 12 के 96 बच्चों ने परीक्षा दी जिसमें से 41 बच्चों की मेरिट रही व 92 बच्चों की फर्स्ट डिवीजन व 4 बच्चों की सेकिंड डिवीजन रही। कक्षा 10 की टॉपर सोनम रही जिसने 88.2 प्रतिशत अंक लेकर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया व 12वीं कक्षा की विज्ञान संकाय की टॉपर जिज्ञासा रही जिसने 90.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। कला संकाय में उषा ने 93.4 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर विद्यालय प्रधानाचार्य सीमा आर्य ने एसएमसी सदस्य व अभिभावकों का अभिनंदन किया। बच्चों को मेडल व शील्ड देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम | जत्थेदार जगदीश सिंह झींडा ने किया उद्घाटन

गुरुद्वारा साहिब पातशाही छठी कुरुक्षेत्र में शुरू हुआ क्लिनिकल लैब एवं डायग्नोस्टिक सेंटर

कमाई का 98% मानव सेवा में लगाया : झींडा

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कुरुक्षेत्र

हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी कुरुक्षेत्र के अधीन ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब पातशाही छठी में सरबत दा भला चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा सनी ओबेरॉय क्लिनिकल लैब एवं डायग्नोस्टिक सेंटर का उद्घाटन संस्था के प्रधान जत्थेदार जगदीश सिंह झींडा और बाबा दर्शन सिंह कार सेवा वाले, हरियाणा कमेटी के की कार्यकारिणी समिति मेंबर कुलदीप सिंह मुल्तानी, मैंबर हरमनप्रीत सिंह, इंद्रजीत सिंह, बीबी जसबीर कौर मसाना व सुखजिंदर सिंह मसाना ने किया।

कुरुक्षेत्र। लैब का उद्घाटन करते हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के प्रधान जत्थेदार जगदीश सिंह झींडा व अन्य।

ये रहे मौजूद

इस दौरान हरियाणा कमेटी के मुख्य सचिव जसविंदर सिंह दीनपुर, एडिशनल सेक्रेटरी राजपाल सिंह दुनिया माजरा पीए, एडिशनल सेक्रेटरी सतपाल सिंह डाचर, उप सचिव धर्म प्रचार अमरिंदर सिंह, फ्लाइंग इंचार्ज जज सिंह, मैनेजर हरमीत सिंह, सरबत दा भला चैरिटेबल ट्रस्ट के स्वास्थ्य सेवाएं सलाहकार डॉक्टर दलजीत सिंह गिल, जॉन प्रधान लखविंदर सिंह ग्रेवाल, वरिष्ठ उप प्रधान गुरतेज सिंह सेखों, प्रधान गुलशन कुमार ग्रोवर, उप प्रधान कर्मजीत सिंह संधू भी मौजूद रहे।

देश के विभिन्न कोनों में कर रहे सेवा

हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंटकमेटी के प्रधान जत्थेदार जगदीश झींडा ने कहा कि एसपी ओबेरॉय अपनी नेक कमाई का 98 प्रतिशत मानव सेवा में लगा कर समाज सेवा का बेमिसाल उदाहरण पेश कर रहे हैं। उन्होंने सदैव समाज सेवा में अपना अहम योगदान दिया है। स्वास्थ्य क्षेत्र में जो सेवा एसपी ओबेरॉय कर रहे हैं इसका लाभ जरूरतमंद लोगों को मिल रहा है। इस मौके पर डॉ दलजीत सिंह गिल ने सरबत दा भला चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा मानव सेवा का काम कर रहे हैं। एसपी ओबेरॉय द्वारा देश के विभिन्न कोनों में यह सेवा कर रहे हैं।

NEW HAPPY SR. SEC. SCHOOL

NEW HAPPY SCHOOL YAMUNA NAGAR EXCELSIOR

(Permanent Recognized from H.B.S.E.)

Luxmi Garden, Yamuna Nagar

STAR PERFORMERS OF CLASS XII

Kamakshi 2nd Position in State

KAMAKSHI COMMERCE 98.6%

ANKITA 93.4% (Arts)

IQRA HASEEB 90.8% (Non-Medical)

SUNAINA 94% · VERKHA 91.2% · NIHARIKA 90.6% · REDHIMA 89.4% · MEHAK 88.4% · RASHI 88.4% · SANCHI 87.6% · PRACHI 86% · NANDINI 85.8%

GAGANDEEP 85.6% · SIMRAN 85% · ROHIT 85% · MOHIT 84.4% · CHHAVI 84.2% · SHAMA 83.8% · NANDNI 83% · NANCY 82.8% · RANJOT 82.6%

VAISHNAVI 82.4% · GURLEEN KAUR 81.8% · SAPNA 81.2% · RADHIKA 80.8% · PURNIMA 79.8% · ALEKH 79.6% · RITIKA 79.6% · VIVEK ROY 79.4% · DAKSH 79%

HARSHIT 78.8% · ADITI 78.4% · ANANYA 78.2% · AMANPREET 78.2% · YATAN 78.2% · YOGESH 78% · KUMKUM 77.8% · BHARTI 77.6% · KRITIKA 77.4%

SHIVAM 77.2% · TAZEEM 77% · SHIVANI 76.6% · NISHA 76.2% · YASH 76% · JASMEET 75.6% · HARPREET 75.2%

Subject-wise Highest Marks :

Comp. Sci.	100	Phy. Edu.	98
B. Stud.	100	Eco.	96
English	99	Pol. Sci.	96
Accou.	98	Chem.	94

STAR PERFORMERS OF CLASS X

Shruti 3rd in District

SHRUTI 98%

ANSHIKA 94.4% · PARI 93.6% · SUHANA 92% · YAM KUMARI 91.6%

TAMANNA 91.4% · MANAN 91.4% · ANSHU 91.2% · ABHIJEET 89.4% · VISHU 88% · DAMINI 87.4%

KHUSHI 87% · KOMAL 84.2% · VIJENDER 82% · PRINCE 81.2% · NITIN 79.6% · SHRUTI 79.4%

CHIRAG 77.4% · HARLIN KAUR 77% · ZIKRA 76.4% · ARYAN 75.2% · NAVEEN 75%

Subject-wise Highest Marks :

Social Study	100	English	98
Science	99	Hindi	98
Physical Education	99	Maths	97

G.S. Sharma Chairman

Ms. Kamlesh Sikka Principal

HOLY MOTHER PUBLIC SCHOOL (10+2)

HOLY MOTHER SCHOOL YAMUNA NAGAR EXCELSIOR

AFFILIATED TO C.B.S.E., DELHI
Kansapur, Ratouli Road, Yamunanagar

CONGRATULATIONS

Teachers, Parents & Students for Excellent Result

★ OUR ACHIEVERS ★

TOPPERS OF CLASS X

AKSHRA (X) 94%

AJIT KUMAR (X) 94%

TEJAL RAWAT (X) 93.4%

Nikhil 92.4% · Karyansh 89.4% · Mehakpreet Kaur 89% · Anant 87.6% · Paras Garg 87.2% · Sagar Kumar 86.6% · Akshit 85.8%

Ankit Kumar 84.8% · Diksha 84.2% · Vani 84.2% · Mokshit Kumar 83.6% · Mannat Dahiya 83.4% · Avni Sharma 81.2% · Mohd. Ziyad 81.2%

Harshika 80.8% · Shrishti Chauhan 80.4% · Parmeet Kaur 80% · Paramveer Kaur 79.6% · Aadarsh Sharma 79.4% · Rudra 79%

TOPPERS OF CLASS XII

Simran (Commerce) 94%

Radhika (Science) 93%

Navjot Singh (Arts) 90%

Lovedeep 84.4% · Preeti 84% · Dikshika Bansal 83.8% · Sparsh 81.6% · Priya Kashyap 81% · Apaar Sharma 80% · Sakshi 79.2% · Anjali Kumari 78.6%

Aashiya 78% · Gurashish Singh 77.4% · Yukti 76.4% · Niharika 76.4% · Aditya 76.4% · Vanshika 76% · Vishal Kumar 75.8% · Nikhil 75.6%

Lavisha 74.6% · Priya 74% · Rajni 73.4% · Riya Chauhan 72.6% · Deepanshu 72.4% · Vanshika 72%

Class X
- ★ IT : 100
- ★ English : 99
- ★ Social Studies : 97
- ★ Science: 97
- ★ Hindi: 95
- ★ Maths: 92

Class XII
- ★ Music: 98
- ★ English: 97
- ★ Economics: 94
- ★ Phy. Edu.: 94
- ★ Business: 93
- ★ Biology: 93
- ★ History : 92
- ★ Physics: 91
- ★ Chemistry: 91
- ★ Pol. Science : 91
- ★ Accounts: 90

G.S. Sharma Chairman

Dr. Monika Sharma Principal

हरिभूमि रविवार भारती

haribhoomi.com

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

रोहतक, रविवार 17 मई 2026

अब जन्मेंगे मनचाहे डिजाइनर बेबी!

अब तक तो यही माना जाता रहा है कि जन्म लेने वाले बच्चे का रूप, रंग, गुण या उसकी कोई बीमारी प्रकृति ही निर्धारित करती है। लेकिन जेनेटिक इंजीनियरिंग की नई तकनीक से आने वाले समय में मनचाहे यानी कस्टमाइज्ड बेबी जन्म ले सकेंगे। क्या है यह तकनीक, क्या हो सकते हैं इसके फायदे या नुकसान, यहां बता रहे हैं विस्तार से।

कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन

नमस्कार डॉक्टर साहब! हम एक ऐसा बेबी चाहते हैं, जो हमारी जेनेटिक बीमारियों से दूर रहे। उसका आई क्यू लेवल शानदार हो, चश्मा न लगे उसको, टॉल फिगर हो, कॉम्प्लेक्शन फेयर हो।'

क्या आपने कल्पना की है कि आने वाले दौर में पैरेंट्स किसी फर्टिलिटी क्लीनिक पर जाकर डॉक्टर से कुछ ऐसा कहेंगे? यह मजाक की बात या कोरी कल्पना नहीं है। विज्ञान इतनी तरक्की कर रहा है कि निकट भविष्य में यह संभव होगा। इस तकनीक से पैदा होने वाले बच्चों को 'डिजाइनर बेबी' कहा जाएगा।

क्या है यह तकनीक

डिजाइनर बेबी ऐसा बच्चा होता है, जिसके जेनेटिक स्ट्रक्चर (आनुवंशिक संरचना) को पैदा होने से पहले ही बदल दिया जाता है। यह मुख्य रूप से 'क्रिसपर-केस नाइन' जैसी जीन एडिटिंग तकनीक के जरिए किया जाता है। इसके तहत भ्रूण से खराब जीन कतरकर होने वाले माता-पिता के पसंदीदा गुणों वाले जीन को जोड़ा जा सकता है। ये कस्टम-मेड बच्चे होंगे। वांछनीय गुणों वाले बच्चे पैदा करने यानी बनाने के लिए, होने वाले माता-पिता आईवीएफ क्लीनिक में भ्रूणों का चयन बीमारी के जोखिम के आधार पर कर रहे हैं। इस प्रक्रिया को प्री-इंप्लांटेशन जेनेटिक डायग्नोसिस कहा जाता है। मुख्य रूप से वंशानुगत बीमारियों को रोकने के लिए इसका अभ्यास किया जाता है। इसमें आईवीएफ से बनाए गए भ्रूणों की स्क्रीनिंग की जाती है और माता-पिता उस भ्रूण का चयन करते हैं, जिसे वे एक ऐसे बच्चे के लिए प्रत्यारोपित कर सकते हैं, जिसमें आनुवंशिक विकार के सबसे कम जोखिम होने की भविष्यवाणी की जाती है। इसमें एक एंब्रियो-सेलेक्शन/स्क्रीनिंग कंपनी और आईवीएफ प्रोवाइडर 8-14 दिनों तक रोजाना हार्मोन इंजेक्शन देकर कम से कम 15 अंडे निकालते हैं, जिन्हें पसंद के स्पर्म से फर्टिलाइज किया जाता है। 4-5 दिनों के बाद, एक ब्लास्टोसिस्ट बनता है। यह कोशिकाओं की एक खोखली गेंद जैसी होती है, जिसमें एक अंदरूनी द्रव्य और बाहरी परत होती है। बाहरी परत प्लेसेंटा में विकसित होती है। अंदरूनी द्रव्य भ्रूण बनता है। हर भ्रूण से निकाले गए अंशों की जेनेटिक बीमारी/क्रीमोसोमल असामान्यताओं के लिए स्क्रीनिंग की जाती है और मापे गए हर पैरामीटर के लिए पॉलीजेनिक (कई-जीन) स्कोर दिए जाते हैं। माता-पिता चुनते हैं कि कौन-सा भ्रूण इंप्लांट करना है। दुनिया के सबसे पहले डिजाइनर बेबी होने का दावा वर्ष 2018 में चीन के वैज्ञानिक हे जियानकुई ने किया था, जिन्होंने जुड़वां बच्चियों (लुलु और नाना) के जीन एडिट किए थे।

ब्लास्टोसिस्ट क्या है

ब्लास्टोसिस्ट भ्रूण के विकास का एक प्रारंभिक चरण है, जो फर्टिलाइजेशन के लगभग 5-6 दिनों बाद बनता है, जिसमें लगभग 200-300 कोशिकाएं होती हैं और इसमें दो मुख्य भाग होते हैं, आंतरिक कोशिका द्रव्यमान (जो शिशु बनेगा) और ट्रोफोब्लास्ट (जो प्लेसेंटा बनेगा)। यह वह अवस्था होती है, जब भ्रूण गर्भाशय की परत में प्रत्यारोपित होता है, खासकर आईवीएफ प्रक्रियाओं में।

जीन एडिटिंग के प्रभाव

जीन एडिटिंग के द्वारा डिजाइनर बेबी बनाने के कई प्लस और माइनस परिणाम हो सकते हैं।

बीमारियों से मुक्ति: इस तकनीक का असली उद्देश्य बच्चों को कैंसर, अल्जाइमर और एचआईवी जैसी वंशानुगत बीमारियों से बचाना है।

बनगे सुपर ह्यूमन: जैसे-जैसे तकनीक ज्यादा विकसित होगी भविष्य में वैज्ञानिक ऐसी कोशिश कर सकते हैं, जिससे बच्चे की मांसपेशियों की ताकत और याददाश्त को बढ़ाया जा सकेगा और वे 'सुपर ह्यूमन' बन सकें। कुछ देशों में आईवीएफ क्लीनिक पहले से ही माता-पिता को बच्चे की आंखों का रंग चुनने का विकल्प देने की दिशा में शोध कर रहे हैं। वर्तमान में यह प्रक्रिया इतनी महंगी है कि इसे केवल दुनिया के अमीर लोग ही अपना सकते हैं।

चुनौतियां भी कम नहीं

जीन एडिटिंग के जरिए मनचाहे डिजाइनर बेबी बनाने की तकनीक विकसित होने के कुछ नेगेटिव परिणाम भी भविष्य में देखने को मिल सकते हैं। यदि केवल अमीर लोग ही 'जीनियस' बच्चे पैदा कर पाएंगे, तो समाज में एक नया भेदभाव उत्पन्न हो सकता है। साथ ही जीन एडिटिंग के दीर्घकालिक प्रभाव क्या होंगे, यह अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। एक छोटी-सी गलती बच्चे के स्वास्थ्य पर बहुत भारी पड़ सकती है। उसके जीवन की पूरी दिशा बदल सकती है।

जीन एडिटिंग के जरिए मनचाहे बच्चे पाने के संबंध में एक सवाल यह भी है कि भ्रूणों की एक श्रंखला में से चुनाव या जीन-एडिटेड भ्रूणों के बावजूद, क्या माता-पिता को भ्रूण के गैर-चिकित्सा लक्षणों को चुनने की अनुमति दी जानी चाहिए? क्या जीन को चुनकर/बदलकर विशेषताओं को 'डिजाइन' किया जा सकता है? क्या आप अंततः अपने बच्चे के जेनेटिक कोड को अपनी मर्जी से बना सकते हैं? समाज शास्त्री कहते हैं डिजाइनर बेबी तकनीक मानव जाति के लिए एक वरदान साबित हो सकती है यदि इसका उपयोग केवल जानलेवा बीमारियों को खत्म करने के लिए किया जाए। लेकिन यदि इसे खूबसूरती और ताकत का पैमाना बनाया गया, तो यह मानवता के लिए नई चुनौतियां खड़ी कर सकता है। समाज में एक नए तरह का भेदभाव और विघटन पैदा कर सकता है। कई समाजशास्त्री चिंतकों का मानना है कि जीवन के साथ इस तरह का बदलाव करना प्रकृति के नियमों का उल्लंघन होगा। कुछ वैज्ञानिक चेतावनी देते हैं कि आधुनिक जेनेटिक स्क्रीनिंग और काउंसलिंग का इस्तेमाल माता-पिता पर दबाव बनाने के लिए किया जा सकता है। अगर समाज कुछ खास लक्षणों को बढ़ावा देता है, तो प्रजनन का चुनाव सामाजिक दबाव बन जाता है। व्यवहार, बुद्धिमत्ता या व्यक्तित्व जैसी चीजों के लिए भ्रूण की स्क्रीनिंग करना, पूर्व में सामने आए यूजेनिक्स पद्धति जैसा होगा, जिसमें यह कंट्रोल करने की कोशिश की गई थी कि किसे पैदा होने की इजाजत है।

कहने का सार है कि आने वाले समय में जीन एडिटिंग से डिजाइनर बेबी के जन्म लेने का चलन बढ़ सकता है। लेकिन इसके परिणाम कितने सकारात्मक या नकारात्मक होंगे, यह तो भविष्य में ही पता चलेगा। *

यूजेनिक्स क्या है

यूजेनिक्स एक ऐसा विचार और पद्धति है, जिसका उद्देश्य मानव आबादी की आनुवंशिक गुणवत्ता में सुधार करना है, जिसमें स्वस्थ और वांछनीय गुणों वाले लोगों के प्रजनन को बढ़ावा दिया जाता है और कम वांछनीय या अवांछनीय गुणों वाले लोगों के प्रजनन को रोका जाता है, जो अक्सर जबरन नसबंदी और भेदभावपूर्ण प्रथाओं से जुड़ा रहा है, खासकर नाजी जर्मनी और अमेरिका में। इसे विज्ञान के रूप में खारिज कर दिया गया है।

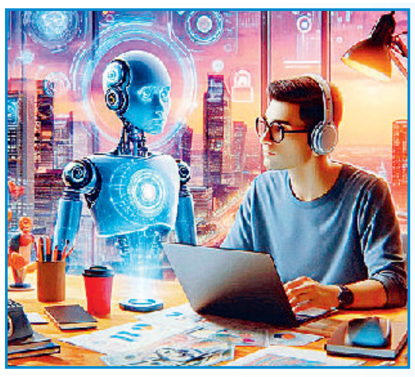

जिस तेजी से तकनीक का दखल बढ़ता जा रहा है, हमारी जीवनशैली आने वाले समय में पूरी तरह बदल जाएगी। आने वाले दिनों में यंगस्टर्स को हाई इनकम वाली कई ऐसी जॉब्स मिलेंगी, जो पूरी तरह हाईटेक होंगी। इनमें से कुछ फ्यूचरिस्टिक जॉब्स पर एक नजर।

यंगस्टर्स को लुभाएंगी फ्यूचरिस्टिक जॉब्स

अपकमिंग ट्रेंड

अंजू जैन

आज के दौर में यंगस्टर्स के लिए करियर की परिभाषा पूरी तरह बदल चुकी है। अब डॉक्टर, इंजीनियर या सरकारी नौकरी ही एकमात्र 'सफल' विकल्प नहीं रह गए हैं। अगर आपमें हुनर है और आप लीक से हटकर सोचने और करने का जज्बा रखते हैं, तो आज का डिजिटल युग आपको शानदार इनकम के मौके दे सकता है। अच्छी बात यह है कि 'फ्यूचरिस्टिक' जॉब्स के लिए आपको किसी बड़े कॉलेज की भारी-भरकम फीस भरकर डिग्री पाने की जरूरत नहीं है। आपमें नई टेक्नोलॉजी सीखने की लगन होनी चाहिए। ऐसे ही कुछ फ्यूचरिस्टिक जॉब्स के बारे में आप भी जानिए, ताकि आने वाले दौर के लिए आप खुद को टेकरेडी बना सकें।

डेटा डिटेक्टिव: करियर की दुनिया में कहा जाता है कि 'डेटा नया हीरा है।' डेटा साइंटिस्ट का काम बिखरे हुए आंकड़ों से अपने लिए काम की जानकारी निकालना है। यह जॉब उन युवाओं के लिए शानदार है, जिनकी गणित और लॉजिक पर पकड़ मजबूत है। इसमें शुरुआती सैलरी ही कई पारंपरिक नौकरियों के टॉप लेवल के बराबर होती है। गूगल खुद कोर्सेरा जैसे प्लेटफॉर्म पर डेटा एनालिटिक्स और साइबर सिक्योरिटी के सर्टिफिकेशन कोर्स कराता है। साथ ही साइबेरी, साइबर सिक्योरिटी संबंधी नई तकनीकें सीखने के लिए यह दुनिया का सबसे बड़ा फ्री कम्युनिटी प्लेटफॉर्म है।

गेमिंग और ई-स्पोर्ट्स: वीडियो गेम अब सिर्फ टाइम पास नहीं रहा। प्रोफेशनल गेमर्स, गेम स्ट्रीमर्स और गेम डेवलपर्स आज लाखों-करोड़ों में खेल रहे हैं। इंटरनेशनल ई-स्पोर्ट्स टूर्नामेंट्स में प्राइज मनी अब किसी क्रिकेट वर्ल्ड कप से कम नहीं होती। अगर आप इसमें अपनी जगह बनाना चाहते हैं, तो कुछ बातों पर ध्यान दें। अपना खास फील्ड चुनें। ई-स्पोर्ट्स का मतलब सिर्फ गेम खेलना नहीं है। आप इनमें से अपनी रुचि के अनुसार कई क्षेत्र चुन सकते हैं, जैसे प्रोफेशनल प्लेयर यानी टूर्नामेंट में हिस्सा लेना, कंटेंट क्रिएटर या स्ट्रीमर यानी यूट्यूब या ट्विच पर गेमप्ले दिखाना, गेम एनालिस्ट/कोच यानी गेम की रणनीति समझना, मैनेजमेंट यानी टीम मैनेजर या इवेंट ऑर्गेनाइजर बनना।

आपको इसके लिए जरूरी स्किल्स सीखनी पड़ेगी। किसी एक गेम को चुनें और उसमें एक्सपर्ट बनें। इसके लिए रोजाना प्रैक्टिस और अपनी गलतियों का आकलन करना जरूरी है। इनके साथ-साथ टीम के साथ तालमेल बिठाने के लिए अच्छी बातचीत की कला सीखें। महारत पाने के लिए सबसे जरूरी है तकनीकी ज्ञान।

प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग: चैटजीपीटी जैसे एआई टूल्स के आने से अब 'प्रॉम्प्ट इंजीनियर' की भारी डिमांड हो गई है। इसमें आपको कोडिंग नहीं, बल्कि एआई से सही तरीके से काम करवाने की कला (सही निर्देश देना) आना चाहिए। बड़ी कंपनियां इसके लिए करोड़ों का पैकेज देने को तैयार हैं। इसे सीखने के लिए एंड्र्यू एनजी द्वारा संचालित, चैटजीपीटी प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग फॉर डेवलपर्स एक शानदार फ्री कोर्स है। इसके अलावा लर्न प्रॉम्पटिंग एक ओपन-सोर्स गाइड है, जो आपको मुफ्त में एआई से बेहतर तरीके से कम्युनिकेट करना सिखाती है।

कंटेंट क्रिएशन और इंफ्लुएंसर मार्केटिंग: यूट्यूब, इंस्टाग्राम और पॉडकास्ट अब सिर्फ मनोरंजन के साधन नहीं, बल्कि फुल-टाइम बिजनेस बन चुके हैं। एक खास विषय पर अच्छी पकड़ और दर्शकों से जुड़ने का हुनर आपको ब्रांड एंडोर्समेंट के जरिए रातों-रात सेलिब्रिटी और अमीर बना सकता है। फाइनेंस की जानकारी देने वाले फिनफ्लुएंसर और डिजिटल मार्केटिंग का फील्ड भी अच्छा है। डिजिटल मार्केटिंग की बेसिक जानकारी के लिए आप गूगल डिजिटल गैरेज मुफ्त में इस्तेमाल कर सकते हैं।

सस्टेनेबिलिटी कंसल्टेंट: दुनिया अब पर्यावरण को लेकर गंभीर है। कंपनियां ऐसे लोगों को खोजती रहती हैं, जो उन्हें 'ईको-फ्रेंडली' बनने में मदद करें। अगर आप पर्यावरण प्रेमी हैं और बिजनेस की समझ रखते हैं, तो यह क्षेत्र भविष्य का सबसे बड़ा मार्केट है। सस्टेनेबिलिटी कंसल्टेंट वह पेशेवर होता है, जो कंपनियों और संगठनों को पर्यावरण के अनुकूल काम करने और अपने कार्बन फुटप्रिंट को कम करने की सलाह देता है। इसके लिए संबंधित शैक्षणिक योग्यता जरूरी है। पर्यावरण प्रबंधन या ईएसजी में (पर्यावरण, सामाजिक और शासन) विशेषज्ञता हासिल करना आपकी प्रोफाइल को बेहतर बनाता है। एक सफल कंसल्टेंट बनने के लिए आपको तकनीकी और सॉफ्ट स्किल्स दोनों की आवश्यकता होती है। जैसे कार्बन उत्सर्जन और पानी के उपयोग जैसे डेटा का विश्लेषण करना आना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार रिपोर्ट तैयार करना आना चाहिए। अपने क्लाइंट के वित्तीय लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए स्थाई व्यावसायिक रणनीतियां बनाने की चतुराई होनी चाहिए। साथ ही आप में अपने क्लाइंट्स को जटिल पर्यावरणीय नीतियों को सरल भाषा में समझाने की कला भी होनी चाहिए। *

कविता

अवतार सिंह अक्षरजीवी

स्लेटीपन

कोई सुख, नहीं होता पूरा सुख
कोई दुख, नहीं होता पूरा दुख
चरित्र आधे-अधूरे होते हैं
भावनाएं-कई रंगों का मिश्रण,
एक कोने पर थोड़ा-सा सफेद
दूसरे किनारे पर जरा-सा काला
इनके बीच में बहुत सारा स्लेटी होता है।
सुख में नुकसान ढूंढ़ लेता है मन
और दुख में आनंद तलाश लेता है,
गीतों में से निकाल सकते हैं कंक्रीट
और राख में भी संगीत देख सकते हैं,
किसी का स्वभाव कैसा भी हो
हमारे अनुकूल हो, बस ठीक है जैसे
गर्मियों का आलोचक है संसार लेकिन
शहर की खाली सड़कें, कम ट्रैफिक
इस ऋतु को बेहतर घोषित करने में
कहीं न कहीं विवश सा कर देता है।

पतझड़

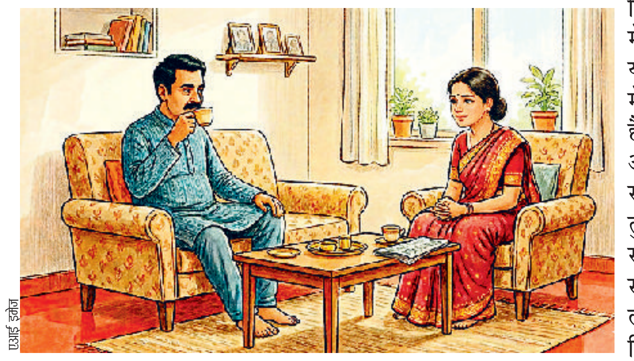

एआई इमेज

उसकी दरवाजे पर हल्की-सी वह दस्तक मुझे आज भी याद है। दरवाजे की सांकल खोलते ही उसे सामने पाया तो मैं एक बारगी ठगा-सा रह गया। सारा केश विन्यास अस्त-व्यस्त था, चेहरे की लालिमा कहीं खो सी गई थी। आंखों के नीचे स्याही की एक मोटी रेखा ने मुझे झकझोर दिया। मैंने उसके शांत लेकिन अंदर तक उद्वेलित चेहरे को पढ़ने का प्रयास किया। मुझे लगा कि वह नितांत अकेली वन में खड़ी एक प्यासी हिरनी सी है, जो अपने साथी के बिछड़ जाने पर अपनी गोल-गोल चपल आंखों में अतीत के कितने ही पल समेटे हुए है। मैं और वह किंकर्तव्यविमूढ़ से एक-दूसरे को कुछ देर तक निहारते रह गए। तंद्रा तब टूटी, जब बादलों की तेज गड़गड़ाहट ने हमें बारिश होने का अहसास दिलाया। 'आओ न! बाहर क्यों खड़ी हो?' मैंने सहज भाव से उसे अंदर आने का निमंत्रण दिया। ऐसा लगा कि हम वर्षों वर्ष अलग रहने के बावजूद भी भावनात्मक रूप से कहीं जुड़े हुए हैं। गहरी चुप्पी के साथ वह अंदर आ गई और सोफे के एक किनारे पर सिमट कर जड़वत बैठ गई। 'आज अचानक, इस तरह!' मैंने खामोशी को तोड़ने का प्रयास किया। सुनते ही उसकी आंखों में लाल डोरे तैरने लगे, जिन्हें मैंने साफतौर पर महसूस किया। 'कुछ परेशान सी हो! क्या हुआ?' मेरे यह पूछते ही वह संयम खो बैठी। आंखों में बरसों से सिमटा दर्द एकाएक आंसुओं की धार बनकर बह निकला। जब तक मैं कुछ समझ पाता वह फूट-फूटकर रोने लगी। मैं एकटक उसके मन का बोझ हल्का होते देखता रहा। कुछ समय बीता और वह धीरे से कुछ बुदबुदाई। मैंने सुना वह प्राश्यिचत कर रही थी। 'मुझे माफ कर दो सुमी! मैं हार गई हूं। मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था।' उसकी आवाज की कंपकंपी को मैंने सर्द झोंके सा महसूस किया। एक ठंडी सिहरन मेरे तन-बदन में दौड़ गई। कुछ देर बाद मैं चाय बनाकर ले आया। मेरे आग्रह पर उसने चाय का कप उठा लिया। 'याद है मिनी...' मैंने उसे टटोलते हुए कहा, 'मैंने कभी भी अपने हाथ से चाय नहीं बनाई और न ही मैं आज तक ठीक से चाय बनाना सीख सका, क्योंकि तुमने मुझे अपने ऊपर इतना निर्भर कर दिया था। तुम कहती थी कि मेरे होते तुम चाय क्यों बनाओगे? सब कुछ बदल गया इधर कुछ सालों से! देखो तो चाय ठीक बनी है या नहीं? मिनी ने हां में सिर हिलाया और उसकी आंखें मेरे चेहरे पर ठहर गईं। प्रशंसा की यह मूक भाषा मैंने उसकी आंखों में पहली बार पढ़ी थी। 'तुम्हें पता है सुमी! मैं भी इतने बरस, इतनी अकेली रही हूं कि चैन की एक सांस भी न ले सकी। हर घड़ी तुम्हारे साथ बीते पल मुझे कुरेदते रहते। मेरा अहंकार मुझे धीरे-धीरे खोखला करता गया और मैं घुन लगे पेड़ की तरह अंदर से बिल्कुल बेजान हो गई। मुझमें अकेले खड़े रहने की भी ताकत नहीं बची, सुमी मैं टूट गई हूं। मुझे मेरा सहारा वापस दे दो प्लीज। अब मैं तुम्हारे सहारे जीना चाहती हूं।' उसका क्रंदन मुझे भीतर तक सालता चला गया। दस साल पहले वह उस पत्ते की तरह मुझसे अलग हो गई थी, जो पतझड़ के मौसम में एक क्षण में अपनी शाख से अलग हो जाता है। उसने मुड़कर भी नहीं देखा था तब। घर छोड़कर जाते समय उसने अपने दोनों बच्चों रजत और सजल को भी नहीं पुकारा। एक निष्ठुर मां बनकर उसने घर में कदम न रखने की कसम खाई थी और फिर लौटकर नहीं आई। आज दस साल बीतने के बाद वक्त ने करवट ली थी और हम दोनों उसी कमरे में एक बार फिर साथ बैठे हैं। *

-डॉ. सुबोध भटनागर

लघुकथाएं

तस्वीर

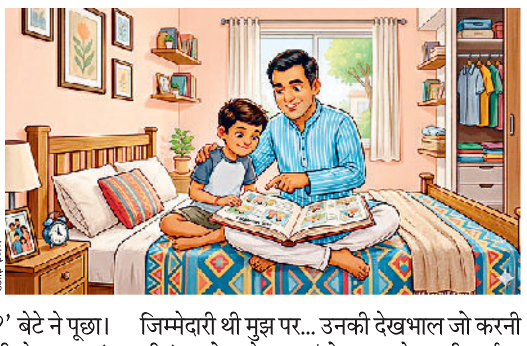

एआई इमेज

पापा-पापा आप ये क्या देख रहे हैं?' अशोक के बेटे ने पूछा। 'बेटा एक पुरानी तस्वीर देख रहा हूं। अपने भाई-बहनों की।' आंखें नम करते हुए अशोक ने जवाब दिया। 'कौन-कौन हैं ये?' बेटे ने तस्वीर को गौर से देखते हुए पूछा। तस्वीर को दिखाते हुए अशोक बोले, 'पीली ड्रेस वाली तेरी बड़ी बुआ, पिंक ड्रेस में मंझली बुआ और लाल में जो बैठी है, वो छोटी बुआ।' 'और ये हरी ड्रेस में कौन है?' बेटे ने पूछा। 'अरे यह मेरा छोटा भाई श्यामू यानी तेरा चाचू।' अशोक ने बताया। 'इसका मतलब नीली शर्ट वाले आप ही हैं।' बेटे ने शरारती लहजे में कहा। अशोक ने मुस्कुराते हुए हां में गर्दन हिला दी। 'लेकिन पापा इनको तो मैंने कभी देखा ही नहीं। बुआ और चाचू अब कहां हैं और अपने घर क्यों नहीं आते?' बेटे ने फिर सवाल किया। अशोक ने स्वयं को संभालते हुए कहा, 'हम सबको पिताजी ने यानी तुम्हारे दादाजी ने खूब पढ़ाया-लिखाया लेकिन...' 'लेकिन क्या पापा?' बेटे ने पूछा। 'ये सब विदेश में जाकर बस गए वहीं बड़ी-बड़ी कंपनियों में इंजीनियर हैं।' अशोक ने उदास मन से जवाब दिया। 'आप क्यों नहीं गए विदेश पापा पढ़े-लिखे तो आप भी बहुत है।' बेटे ने पूछा। 'बेटा, मैं भी जाने को तो चला जाता लेकिन बूढ़े मां-बाप की जिम्मेदारी थी मुझ पर... उनकी देखभाल जो करनी थी।' अशोक ने कहा। 'तो क्या बड़े का ही कर्तव्य होता है मां-बाप की सेवा करना, छोटों का नहीं?' बेटे ने थोड़ा गंभीर होते हुए पूछा। 'होता तो है लेकिन कोई समझे तब ना!' उन्होंने लंबी सांस भरते हुए कहा। बेटे का चेहरा उतर गया। उसके उतरे चेहरे को देखकर अशोक ने पूछा, 'अरे तुमने मुंह क्यों लटका लिया?' उसने धीरे से कहा, 'इसका मतलब तो यह हुआ कि मैं बड़ा होकर विदेश नहीं जा सकता।' 'क... क... क्यों... नहीं जा सकते तुम?' अशोक ने आश्चर्य से पूछा। 'मैं तो आपका इकलौता बेटा हूं ना इसलिए। मुझे तो बड़े होने की भूमिका निभानी है, छोटे होने की नहीं।' बेटायह कहते हुए अपने पापा के गले से लिपट गया। बेड पर रखे एलबम के पन्ने हवा के संग फड़फड़ा रहे थे। *

-गोविंद भारद्वाज

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

लोक-संस्कृति का प्रवाह

वर्तमान आधुनिकता के हाहाकारी बयार और पश्चिमी अंधानुकरण के दौर में जब जन सामान्य, अपनी जड़ों से दूर होता जा रहा है, ऐसे में लोक संस्कृति से जुड़ाव की दिशा में किया गया छोटा सा प्रयास भी बहुत मायने रखता है। इस लिहाज से हाल में प्रकाशित हुए 'नवोदित प्रवाह' के लोक संस्कृति विशेषांक की सराहना की जानी चाहिए। इसमें देश के लगभग हर प्रदेश की लोक संस्कृति की बहुरंगी छवि देखी जा सकती है। संस्कृति की महत्ता को रेखांकित करते हुए वरिष्ठ लेखक राजेंद्र रंजन चतुर्वेदी लिखते हैं, 'संस्कृति जीवन के साथ चलती है, जीवन के प्रवाह में बहती है, जीवन को गति देती है, जीवन को प्रेरित और निर्देशित करती है।' रमई काका पर गंगा प्रसाद शर्मा का लेख, कजली पर कृष्ण कुमार यादव का लेख, लावणी

लोकनृत्य पर इंदिरा किसलय का लेख समेत पूर्वोत्तर राज्यों की सांस्कृतिक विरासत पर भी बढ़िया लेख यहां पढ़े जा सकते हैं। बंगाल के लोक साहित्य पर अल्पना सिंह का लेख, छत्तीसगढ़ के लोकगीत और लोकनृत्य पर ममता तिवारी का लेख भी पठनीय है। इनके अलावा 'महुआ घटवारिनः एक अधूरी प्रेम कहानी' (कहानी), 'गर्व या मातम' (लघुकथा) और लोक-सांस्कृतिक रंग में रंगी बुद्धिनाथ मिश्र, आकांक्षा द्विवेदी, कृष्ण बिहारी, उद्भ्रांत की कविताएं विशेष रूप से पठनीय हैं। वरिष्ठ कवि बाल स्वरूप राही के साक्षात्कार ने इस अंक की महत्ता को और बढ़ा दिया है। *

पत्रिकाः नवोदित प्रवाह-वार्षिकांक 2026 (लोक संस्कृति विशेष),
संपादकः रजनीश त्रिवेदी 'आलोक', मूल्यः 200 रुपए
प्रकाशन स्थलः देहरादून, उत्तराखंड

अमेजिंग / रजनी अरोड़ा

स्पेशलः इंटरनेशनल म्यूजियम-डे, 18 मई

संग्रहालय यानी म्यूजियम ऐसी जगह होती है, जहां इतिहास, कला, संस्कृति, रक्षा या विज्ञान की दृष्टि से महत्वपूर्ण वस्तुओं का संग्रह और संरक्षण किया जाता है। इसके अलावा कई संग्रहालयों में यूनिक आइटम्स का संग्रह भी किया जाता है। अपने देश में स्थित कुछ अनोखे संग्रहालयों पर एक नजर।

देश के अनूठे म्यूजियम

सुदर्शन सैंड आर्ट म्यूजियम पुरी

ओडिशा के समुद्र तट के पास स्थित इस म्यूजियम की स्थापना मशहूर सैंड आर्टिस्ट सुदर्शन पट्टनायक ने साल 2010 में की थी। इसका उद्देश्य सैंड आर्ट को वैश्विक पहचान दिलाना और सामाजिक संदेशों को कला के माध्यम से प्रस्तुत करना है। यहां रेत से बनी विशाल मूर्तियां प्रदर्शित की जाती हैं, जिनमें भगवान श्री जगन्नाथ, पर्यावरण संरक्षण, विश्व शांति, आध्यात्मिकता और भारतीय संस्कृति से जुड़े विषय प्रमुख होते हैं। रेत जैसी साधारण चीज को अद्भुत कला में बदल देना, इसकी सबसे बड़ी विशेषता है। सामान्यतः समुद्र तट पर बनाई गई सैंड आर्ट कुछ समय बाद लहरों से नष्ट हो जाती है, लेकिन यहां विशेष तकनीक और केमिकल ट्रीटमेंट की मदद से स्कल्पचरों को लंबे समय तक सुरक्षित रखा जाता है। अपनी इस अनूठी कला के लिए सुदर्शन पट्टनायक को भारत सरकार द्वारा पद्म श्री सम्मान मिल चुका है। *

काइट म्यूजियम अहमदाबाद

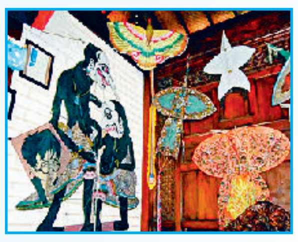

गुजरात के अहमदाबाद में स्थित इस काइट म्यूजियम की स्थापना सन 1985 में भानुभाई शाह की पतंगों के निजी संग्रह से हुई थी। यहां पतंगों की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और कलात्मक विविधता देखने को मिलती है। यहां भारत और विदेशों की 125 से अधिक अत्यंत दुर्लभ और कलात्मक पतंगें रखी गई हैं, जिनमें जापान, मलेशिया, कोरिया, अमेरिका जैसे देशों की पतंगें भी शामिल हैं। कुछ पतंगें मिनिएचर आकार की हैं, तो कुछ विशाल और अत्यंत कलात्मक हैं। संग्रहालय में हाथ से चित्रित, मिरर वर्क और ब्लॉक प्रिंट वाली पारंपरिक गुजराती पतंगें भी हैं। यहां एक 16 फीट लंबी पतंग भी है, जिस पर उकेरा गया गरबा डांस आने वाले दर्शकों को बरबस ही अपनी ओर खींचता है। उत्तरायण उत्सव के दौरान यहां बड़ी संख्या में सैलानी आते हैं। *

विरासत-ए-खालसा आनंदपुर साहेब

इस संग्रहालय की स्थापना पंजाब में वर्ष 2011 में की गई थी। यहां सिख गुरुओं के जीवन, खालसा पंथ की स्थापना, पंजाब के इतिहास, संस्कृति और धार्मिक संघर्षों को अत्याधुनिक मल्टीमीडिया तकनीकों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। इसकी इमारत का अनोखा वास्तुशिल्प भी आकर्षण का केंद्र है। विशाल पेंटिंग्स, मल्टीमीडिया लाइट एंड साउंड शो, यहां आने वाले दर्शकों को ऐतिहासिक घटनाओं का जीवंत अनुभव कराते हैं। इस म्यूजियम की गिनती भारत के तकनीकी तौर पर एडवांस म्यूजियमों में की जाती है। *

सुधा कार म्यूजियम हैदराबाद

ऑटोमोबाइल डिजाइनर के. सुधाकर द्वारा तेलंगाना के हैदराबाद में स्थापित यह म्यूजियम, दुनिया का पहला हैंडमेड कार म्यूजियम है। यह भारतीय नवाचार, रचनात्मकता और ऑटोमोबाइल के अनूठे संगम को दर्शाता है। सबसे खास बात है कि यहां प्रदर्शित कारें और बाइक, दैनिक जीवन में इस्तेमाल होने वाली चीजों के रूपाकार में डिजाइन की गई हैं जैसे- कैमरा, पर्स, जूता, किताब, बर्गर, क्रिकेट बैट, लिपस्टिक, टेबल टेनिस बॉल आदि। सभी गाड़ियां वर्किंग कंडीशन में हैं लेकिन बिक्री के लिए नहीं हैं। यहां दुनिया की सबसे बड़ी तिपहिया साइकिल और सबसे छोटी डबल डेकर बस भी देखी जा सकती है, जिन्हें गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड्स में भी शामिल किया गया है। हर गाड़ी के साथ उसकी निर्माण प्रक्रिया, लागत, अधिकतम गति आदि की जानकारी भी दी गई है। यह म्यूजियम बच्चों-बड़ों सभी को पसंद आता है। *

नेवल एविएशन म्यूजियम गोवा

साल 1998 में गोवा में स्थापित इस म्यूजियम में कई विंटेज विमान और लड़ाकू विमानों में प्रयोग होने वाले हथियार प्रदर्शित किए गए हैं। साथ ही यहां आईएनएस विराट युद्धपोत का मॉडल भी रखा गया है। इस अनोखे म्यूजियम में एविएशन कॉम्प्लेक्स थिएटर भी है, जहां पर्यटक नेवल एविएशन के बारे में रोचक जानकारियां प्राप्त कर सकते हैं। भूख लगे तो यहां बने कॉकपिट कैफे में आराम से बैठकर खा-पी भी सकते हैं। *

आरबीआई मॉनेटरी म्यूजियम मुंबई

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा मुंबई में संचालित इस म्यूजियम की स्थापना वर्ष 2004 में की गई थी। यहां मुद्रा से जुड़ी डेढ़ हजार से ज्यादा वस्तुओं का संग्रह है। इस म्यूजियम में छठी सदी से आज तक के सिक्के और नोटों का अच्छा कलेक्शन है। पर्यटक यहां नोटों और सिक्कों के बनने का प्रोसेस भी जान सकते हैं। साथ ही समझ सकते हैं कि करेंसी में किस-किस तरह की सिक्योरिटी फीचर होते हैं। *

इंडियन म्यूजिक एक्सपीरियंस म्यूजियम बेंगलुरु

2018-19 में कर्नाटक के बेंगलुरु में स्थापित यह म्यूजियम, भारत का पहला इंटरएक्टिव म्यूजिक म्यूजियम है। इस म्यूजियम की स्थापना का उद्देश्य भारतीय संगीत की हजारों वर्षों पुरानी परंपरा को आधुनिक तकनीक के साथ प्रस्तुत करना था। यहां भारतीय संगीत के इतिहास, शास्त्रीय संगीत, लोकसंगीत, सूफी संगीत, फिल्म संगीत और आधुनिक संगीत की यात्रा को डिजिटल डिस्प्ले, ऑडियो इंस्टालेशन और इंटरएक्टिव तकनीकों के माध्यम से समझाया जाता है। म्यूजियम में तबला, सितार, सरोद, वीणा जैसे वाद्ययंत्रों का भी प्रदर्शन किया गया है। दर्शक यहां हेडफोन, टच स्क्रीन और डिजिटल गैलरी के माध्यम से विभिन्न वाद्ययंत्रों को सुनने और स्वयं बजाने का अनुभव भी कर सकते हैं। *

ट्रिक आर्ट 3-डी म्यूजियम चेन्नई

भारत का पहला ट्रिक आर्ट 3-डी म्यूजियम की स्थापना तमिलनाडु के चेन्नई में कलाकार ए. पी. श्रीधर ने साल 2016 में की थी। यह म्यूजियम फ्रेंच आर्ट फॉर्म- ट्रॉम्प लोय या दृष्टि भ्रमकारी कला यानी (ऑप्टिकल इल्यूजन) और इंटरेक्टिव आर्ट के लिए मशहूर है। यहां की गैलरियों में दर्शकों को भ्रमित कर देने वाली 24 से अधिक इंटरएक्टिव 3-डी पेंटिंग्स प्रदर्शित की गई हैं। जो आने वाले दर्शकों को एक जादुई दुनिया का अहसास कराती हैं। इनके साथ खड़े होकर फोटो लेने पर ऐसा लगता है, मानो ये पेंटिंग्स जीवित हो गई हैं। यहां आने वाले दर्शक उस दृश्य का हिस्सा-सा बन जाते हैं और उनके साथ फोटो खिंचवाए बिना नहीं रहते। ट्रिक आर्ट म्यूजियम की तर्ज पर अब बेंगलुरु में विक्लक आर्ट म्यूजियम और मुंबई में पैराडॉक्स म्यूजियम भी बनाए गए हैं। *

ब्रेन म्यूजियम बेंगलुरु

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंसेज (निमहांस) द्वारा बेंगलुरु में स्थापित यह भारत का एकमात्र और विश्व के गिने-चुने ब्रेन म्यूजियमों में से एक है। इस म्यूजियम में 400 से अधिक मानव मस्तिष्क और कई पशु-पक्षियों (जैसे- गाय, मुर्गी, चूहा, बंदर) के मस्तिष्क फॉर्मेलीन केमिकल में संरक्षित करके प्रदर्शित किए गए हैं। जिन्हें पिछले 40 वर्षों में वैज्ञानिकों ने एकत्र किया है। इनके अलावा यहां फेफड़े, वोकल बॉक्स, आंतें और मानव कंकाल के नमूने भी हैं। शुरुआत में ये संग्रह मेडिकल छात्रों और शोध के लिए थे, लेकिन अब आम जनता के लिए भी खोले गए हैं। इसका उद्देश्य न्यूरोसाइंस की जानकारी देना, ब्रेन की संरचना, कार्य, विकास और कुछ बीमारियों (जैसे- अल्जाइमर, पार्किंसन, ब्रेन ट्यूमर) से जुड़ी भ्रांतियां दूर करने के साथ अंगदान के प्रति जागरूकता फैलाना है। यहां पर्यटक असली मानव मस्तिष्क को हाथ में लेकर भी देख सकते हैं, जो रोमांच से भर देता है। *

विशिष्ट पेड़ / वीना गौतम

बहुपयोगी इमली का पेड़

बढ़ती लागत, घटती पैदावार और जल संकट के इस दौर में भारत के किसानों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह ऐसी खेती का चुनाव करें, जो कम खर्च में स्थाई और भरोसेमंद आय दे सके। इस नजरिए से इमली का पेड़ एक अच्छा विकल्प है। लंबे जीवनकाल, कम देखभाल और सूखा सहन करने की इमली के पेड़ में अद्भुत क्षमता के कारण इसे एक बार लगाने के बाद सालों साल लगातार उत्पादन देता रहता है। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी इसकी स्थिर मांग बनी रहती है।

आसान है खेतीः खास बात यह है कि इसे खेत की मेड़ों या बंजर भूमि पर भी उगाया जा सकता है, जो अतिरिक्त आय का स्रोत बन सकता है। भारत के सबसे उपयोगी और बहुउद्देशीय पेड़ों में से एक इमली के पेड़ का वैज्ञानिक नाम टैमरिंड्स इंडिका है। यह मूल रूप से अफ्रीका का पेड़ है, लेकिन प्राचीन काल से ही भारत में इसकी समृद्ध मौजूदगी रही है। दक्षिण भारत में विशेषकर कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, मध्य भारत में छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में तथा महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश के अलावा असम, बंगाल और बिहार में भी इमली के पेड़ बड़ी संख्या में पाए जाते हैं।

आर्थिक-पर्यावरणीय महत्ताः इमली सिर्फ किसानों की आर्थिक आय का ही मजबूत स्रोत नहीं बन सकता बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह महत्वपूर्ण पेड़ है। इमली का पेड़ 15 से 25 मीटर तक ऊंचा हो सकता है। यह दीर्घजीवी पेड़ है यानी बहुत आसानी से 100 से 200 सालों तक फलता है। इसका तना मजबूत, मोटा और खुरदुरा होता है। इसकी कैनोपी यानी इसका छत्र, घना और फैलावदार होता है। इसमें छोटी-छोटी कंपाउंड पत्तियां पाई जाती हैं। ये पत्तियां हल्की हरी और मुलायम होती हैं। इमली के पेड़ में छोटे पीले रंग के लाल धारियों के साथ फूल लगते हैं, ये अप्रैल से जून के महीने में लगते हैं और फिर लंबी भूरे रंग की फली जिसके अंदर खट्टा-मीठा गूदा होता है, इसके बीज कठोर और चमकीले होते हैं। इमली के पेड़ का मुख्यतः प्रजनन बीज द्वारा होता है। 25 से 35 डिग्री सेंटीग्रेड का तापमान इसके लिए आदर्श होता है और जिन इलाकों में सालाना 500 से लेकर 1500 मिलीमीटर तक वर्षा होती है, वहां इसे आराम से लगाया जा सकता है। यह मिट्टी का कटाव रोकता है। पशुओं के लिए छाया और चारा देता है। इमली का पेड़ कार्बन अवशोषण के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जाता है और दीर्घकाल में यह खेती की उत्पादकता भी बढ़ाता है। हाल के सालों में इमली के फलों की मांग देश ही नहीं विदेश में भी काफी ज्यादा हुई है। किसानों के लिए इमली का पेड़ कम लागत में ज्यादा लाभ का शानदार जरिया है। इमली के गूदे का भारत में हर जगह विभिन्न तरह के खाए जाने वाले व्यंजनों में उपयोग किया जाता है, विशेषकर सांभर, चटनी, कढ़ी और कई तरह के पेय पदार्थ में इमली का उपयोग होता है। फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री में इसकी अच्छी खासी मांग है। टार्टरिक एसिड, पॉलिश और कई किस्म की दवाइयां इसके इस्तेमाल से बनाई जाती हैं। *

सक्सेस फंडा / नेहा जैन

अगर आप जीवन में कुछ बड़ा, कुछ नया पाने की तमन्ना रखते हैं, तो आपको अपने काम करने के तरीके में भी कुछ नयापन लाना होगा।

बदलें पुरानी वर्किंग स्टाइल लिखें सक्सेस की नई कहानी

सफलता संसाधनों की अधिकता से नहीं, बल्कि सोच की स्पष्टता और काम करने के स्मार्ट तरीकों से मिलती है। अगर सूझबूझ और स्मार्ट तरीके से काम किया जाए तो आपको हैवी फंडिंग या भारी-भरकम टीम की जरूरत नहीं होती है। आपके काम करने का तरीका ही वह असली फंडा है, जो आपको भीड़ से अलग खड़ा करेगा और सफलता के मुकाम तक पहुंचाएगा। इस बारे में जेसन फ्राइड और डेविड हैनमेयर हैनसन की पुस्तक 'रीवर्क' में डिटेल में बताया गया है।

लोगों पर नहीं काम पर करें फोकसः जब भी आप कोई नया काम करने की सोचते हैं, लोग तरह-तरह की बातें करते हैं और कई बार आपको हतोत्साहित करते हैं। ऐसे में आपको अपनी मेहनत और कौशल पर यकीन करना चाहिए। दूसरों के अनुभवों से डरने के बजाय अपने प्रयोग करने चाहिए।

प्लानिंग से ज्यादा जरूरी एक्शनः अत्यधिक योजनाएं बनाने में समय नष्ट न करें। बस शिद्दत से काम शुरू करें, बाकी चीजें समय के साथ स्पष्ट होती चली जाएंगी। यह समझना होगा कि सिर्फ बातें करने से कुछ नहीं होगा। जो आप वास्तव में बना रहे हैं, उस पर ध्यान केंद्रित करें।

कम में ज्यादा खोजें: आप कुछ भी करें, बाधाएं तो आएंगी ही। 'मेरे पास पैसे नहीं हैं' या 'मेरी टीम छोटी है' जैसे बहाने बनाना छोड़ें। कम संसाधन आपको समाधान खोजने के लिए मजबूर करते हैं। छोटे बजट में आप फालतू खर्चों से बचते हैं और केवल वही करते हैं, जो सबसे ज्यादा जरूरी है। याद रखिए सीमाएं ही नवाचार की जननी हैं।

अपनी अलग पहचान बनाएं: यदि आप दूसरों की नकल करेंगे, तो भीड़ में खो जाएंगे। अपनी सर्विस या प्रोडक्ट को पर्सनल टच दें। यदि आप काम में अपने अनोखे विचार डालते हैं, तो आपका कॉम्पिटिशन कम हो जाता है। लोग आपकी सर्विस इसलिए लेंगे क्योंकि वह औरों से अलग है।

गलतियों से न डरें: असफलता अंत नहीं है। असफल होना आपको सिखाता है कि क्या काम नहीं करना है। अपनी गलतियों को सुधारें, गलतियों से सीखें और आगे बढ़ें। याद रखें, काम करने का असली तरीका किताबी नहीं, बल्कि व्यावहारिक अनुभव होता है।

वर्कोहलिक बनने से बचें: बिना आराम किए दिन में 15-18 घंटे काम करना मेहनत नहीं, बल्कि कुप्रबंधन है। इससे आपकी क्रिएटिविटी और प्रोडक्टिविटी पर बुरा असर पड़ सकता है। असली कुशलता कम समय में गुणवत्तापूर्ण परिणाम देने में है। कम समय में स्मार्ट तरीके से काम करना ही असली कुशलता है।

'ना' कहना भी जरूरीः एक साथ बहुत सारे काम करने की कोशिश में हम अकसर औसत दर्जे का परिणाम देते हैं। फालतू सुझावों और ध्यान भटकाने वाली चीजों को 'ना' कहें ताकि आप अपनी कोर स्ट्रेंथ पर ध्यान केंद्रित कर सकें। 'ना' कहना आपको अपने मुख्य लक्ष्य पर केंद्रित रखता है।

अकेलेपन का समय निकालें: रचनात्मक काम के लिए गहरी एकाग्रता चाहिए। दिन का कोई एक हिस्सा 'साइलेंस जोन' के लिए रखें, जहां कोई आपको डिस्टर्ब न कर सके। यही वह समय है जब आप अपना 'डीप वर्क' पूरा कर पाएंगे। *

हाल में ही सोनी एंटरटेनमेंट चैनल और सोनी लिव पर गेम रियलिटी शो 'तुम हो ना' शुरू हुआ है। बतौर होस्ट इसके जरिए राजीव खंडेलवाल ने लंबे अंतराल के बाद टीवी पर वापसी की है। इस शो को एक्सेप्ट करने की क्या वजह रही? लंबे समय तक टीवी से दूर क्यों रहे? शो और करियर से जुड़े कुछ और सवाल राजीव खंडेलवाल से।

मैं वही काम करना चाहता हूं जो मुझे खुशी दे: राजीव खंडेलवाल

खास मुलाकात / आरती सक्सेना

अभिनेता राजीव खंडेलवाल ने सबसे पहले एकता कपूर के टीवी डेली सोप 'कहीं तो होगा' से प्रसिद्धि पाई। फिर रियलिटी शो 'सच का सामना' के दो सीजन के दौरान उन्हें खूब लोकप्रियता मिली। लंबे गैप के बाद राजीव एक बार फिर महिलाओं के सम्मान और खुशी पर आधारित गेम-रियलिटी शो 'तुम हो ना' होस्ट करते नजर आ रहे हैं। यह शो खासतौर पर उन महिलाओं को लेकर बनाया गया है, जो अपने घर की बॉस हैं और मुश्किलों से भरी जिंदगी जीकर अपना मुकाम बना चुकी हैं। हाल ही में हुई लंबी बातचीत में राजीव खंडेलवाल ने इस शो से जुड़े सवालों के बेबाक अंदाज में जवाब दिए। पेश है इस बातचीत के प्रमुख अंश-

'तुम हो ना' रियलिटी शो में क्या खास लगा, जिस वजह से आपने इसे होस्ट करना एक्सेप्ट किया?

खास वजह यही है कि यह शो महिलाओं पर केंद्रित है। 'तुम हो ना' महिलाओं का शो है, जिसमें कॉमन महिलाएं आती हैं, और अपने दिल की बातें, अपना संघर्ष अपनी खुशी और गम हमारे साथ शेयर करती हैं। हम उनको गेम्स खिलाते हैं, उनका मनोरंजन करते हैं। इस शो में कई मां-बहनें अलग-अलग शहरों से अपना अनुभव लेकर आती हैं और अपना अनुभव हमारे साथ साझा करती हैं।

इस शो के लिए क्या आपने अपने ड्रेसिंग स्टाइल पर भी खास ध्यान दिया है?

हां, मेरी स्टाइलिस्ट ने कहा कि इस शो के लिए अगर हम ड्रेसिंग में महिला की ज्वेलरी का इस्तेमाल करेंगे तो बहुत अच्छा लगेगा। मैंने अपने ड्रेस में महिलाओं की ज्वेलरी जैसे बिंदी, पायल, मांग टीका, झुमके आदि का इस्तेमाल किया है। इसके अलावा बांदनी चुन्नी का भी उपयोग किया है। पहले मैं थोड़ा असमंजस में था, लेकिन बाद में जब लोगों ने तारीफ की तो मुझे लगा कि यह वाकई स्टाइलिश लग रहा है। सच कहूं तो इस शो में इस तरह की ड्रेस पहनने का पर्पस मेरी ओर से महिलाओं को खास अंदाज में ट्रिब्यूट देना है।

'तुम हो ना' से पहले आपने काफी लंबा गैप लिया। इतना लंबा ब्रेक लेने के पीछे क्या खास वजह रही?

मनपसंद रोल नहीं मिल रहा था। एक ही तरह के रोल ऑफर हो रहे थे, जो तीन-चार साल तक चलने वाले डेली सोप के थे। मैं इतने लंबे समय वाले सीरियल नहीं करना चाहता था। मैंने कभी भी काम के लिए 'ना' नहीं कहा, लेकिन अच्छा काम न होने की वजह से मुझे गैप लेना पड़ा। पैसों की ऐसी भी किल्लत नहीं थी कि मुझे अनाप-शनाप काम करना पड़े। मैं वही काम करना चाहता हूं जो मुझे खुशी दे और जिसमें मुझे देखकर दर्शक खुश हों। सोनी का यह शो जब ऑफर हुआ, तो मुझे इसका कॉन्सेप्ट बहुत यूनीक और अच्छा लगा, इसलिए मैंने यह शो एक्सेप्ट कर लिया।

शो 'तुम हो ना' में एक कंटेस्टेंट से बात करते हुए राजीव खंडेलवाल

'सच का सामना' और 'तुम हो ना', दोनों रियलिटी शोज में आपको मुख्य तौर पर क्या फर्क नजर आता है?

दोनों ही शोज रियलिटी से जुड़े हैं। दोनों में ही आम लोग पार्टिसिपेट करते हैं। फर्क यह है कि 'सच का सामना' में आम लोगों ने अपनी जिंदगी के कड़वे-सच्चे अनुभवों के बारे में बताया, जबकि 'तुम हो ना' शो में उन आम महिलाओं की कहानी है, जिन्होंने अपना जीवन अपने परिवार को समर्पित करके परिवार की स्टार बनीं। वह घर की मांएं, बेटियां और बहनें हैं, जिनकी मर्जी के बगैर घर में कुछ नहीं होता। 'सच का सामना' को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। रिलेटेबल और अलग हटके कॉन्सेप्ट होने के कारण 'तुम हो ना' को भी दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं।

आपने कुछ समय पूर्व एक वेब सीरीज भी की 'अमर विश्वास', जो कोर्ट रूम ड्रामा पर केंद्रित है। क्या यह सच है कि अब आपको टीवी डेली सोप से ज्यादा वेब सीरीज में काम करना पसंद है?

नहीं, ऐसी कोई बात नहीं है। मैं एक एक्टर हूं और मुझे जहां अच्छा रोल मिलेगा, मैं करना चाहूंगा, फिर चाहे वह फिल्म हो, टीवी हो, वेब सीरीज या थिएटर ही क्यों ना हो। मैं वह सब काम करूंगा, जिसमें मेरी दिलचस्पी है, जैसे कि थिएटर करने में मुझे सबसे ज्यादा मजा आता है। क्योंकि वहां पर लाइव ऑडियंस मिलती है।

आपने फिल्म, टीवी और वेब सीरीज के अलावा थिएटर भी किया है?

हां, मैंने एक थिएटर किया था 'कोर्ट मार्शल' जो जी-टीवी के लिए था। इसमें मैंने वकील की भूमिका निभाई थी। लाइव ऑडियंस के सामने आधा-आधा घंटे के दो भाग में मेरा परफॉर्मेंस था। लाइव ऑडियंस के अलावा एनएसडी के थिएटर कलाकारों ने जब मेरी एक्टिंग की तारीफ की तो मुझे बहुत खुशी और संतुष्टि मिली। मेरा मानना है कि थिएटर में किया गया अभिनय सबसे मुश्किल होता है, बावजूद इसके थिएटर के कलाकारों को कोई अवार्ड नहीं मिलता, इस बात का मुझे दुःख है। *

घर की महिलाएं होती हैं रियल स्टार

'तुम हो ना' महिलाओं पर केंद्रित शो है, जिसे राजीव होस्ट कर रहे हैं। उनकी पर्सनल लाइफ में महिलाओं की क्या भूमिका रही है, इस बारे में पूछने पर वह बताते हैं, 'मेरी जिंदगी में बचपन से लेकर आज तक महिलाओं का प्यार भरा साथ रहा है। मां, बहन और पत्नी के रूप में हमेशा रहा है। मेरे पिता मिलिट्री में थे इसलिए मैंने अपनी मां के साथ बहुत वक्त बिताया है। आज वह नहीं हैं मेरे साथ लेकिन उनका बहुत बड़ा योगदान मेरे जीवन में है। अच्छे संस्कार और अच्छा इंसान बनने की प्रेरणा और सीख मुझे मेरी मां से मिली। महिलाओं के सम्मान में मुझे यही कहना है कि जो चमकते हैं, सिर्फ वही स्टार नहीं होते! घर की महिला सदस्य रियल स्टार होती हैं, जो हमें बचपन से सपोर्ट देती हैं, एक अच्छा इंसान बनाती हैं, हमें आगे बढ़ने का हौसला देती हैं।